DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
दो बजे दोपहर

देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

10 साल में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

शिंदे और अजित पवार को डिप्टी CM का जिम्मा

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र चुनाव रिजल्ट के 13 दिन बाद नई सरकार बन गई है। देवेंद्र फडणवीस ने 10 साल में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा करने वाले वह भाजपा के पहले नेता हैं। शपथ के बाद वे पीएम मोदी के पास गए और अभिनंदन किया।

30 मिनट तक चला शपथ ग्रहण समारोह

शपथ समारोह मुंबई के आजाद मैदान में शाम 5 :31 बजे शुरू हुआ, जो करीब 30 मिनट तक चला। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने तीनों नेताओं ने मराठी में शपथ ली।

एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली

फडणवीस के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे का नाम लिया। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को धन्यवाद दिया। वे राज्य के दूसरे नेता हैं जो सीएम के बाद डिप्टी सीएम बने।

मंत्रियों ने नहीं ली शपथ

सीएम और दोनों डिप्टी सीएम के अलावा किसी मंत्री को शपथ नहीं दिलाई गई। हालांकि महायुति के बीच कैबिनेट बंटवारे को लेकर 6-1 का फॉर्मूला तय हुआ है। यानी 6 विधायक पर एक मंत्री पद मिलेगा। इसके तहत भाजपा को 20 से 22 मंत्री पद, एकनाथ शिंदे गुट को 12 और अजित पवार गुट को 9 से 10 मंत्री पद दिए जा सकते हैं।

छठी बार राज्य के डिप्टी सीएम बने अजित पवार

शिंदे के बाद एनसीपी नेता अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वह छठी बार राज्य के डिप्टी सीएम बने हैं। वह महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों गठबंधन की सरकार में डिप्टी सीएम रहने वाले महाराष्ट्र के पहले नेता बन गए हैं।

समारोह में ये लोग हुए शामिल

समारोह में PM मोदी, अमित शाह, नितिन गडकरी के अलावा नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू समेत NDA शासित 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के CM और डिप्टी CM शामिल हुए।

7, 8 और 9 दिसंबर को महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र

7, 8 और 9 दिसंबर को महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र होगा। 9 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा मंत्रिमंडल तय हो चुका है। इसमें ज्यादा बदलाव नहीं होंगे। शीतकालीन सत्र से पहले सभी मंत्रियों की शपथ कराकर पोर्टफोलिया बांट दिए जाएंगे।

एक्शन मोड में आए देवेंद्र फडणवीस

शपथ के आधे घंटे बाद फडणवीस, शिंदे और अजित मंत्रालय पहुंच गए। पहली कैबिनेट मीटिंग में देवेंद्र फडनवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला लिया।

विपक्ष की आवाज नहीं दबाएंगे, इस बार टेस्ट मैच जैसी पारी : देवेंद्र फडणवीस

सीएम बनने के लिए देवेंद्र फडणवीस ने पहली बार प्रेस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष वो कोई वाजिब मुद्दा लाता है तो उनकी आवाज को नहीं दबाया जाएगा। इस बार टेस्ट मैच जैसी पारी देखने को मिलेगी। सही समय पर सही निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शपथग्रहण के बाद सचिवालय पहुंचे और कैबिनेट बैठक ली। इसके बाद उन्होंने प्रेस को संबोधित किया। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सामाजिक, बुनियादी ढांचे, औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि जो योजनाएं चल रही हैं, उनके जारी रखा जाएगा। किसी भी योजना को बंद नहीं किया जाएगा। हम विपक्ष की आवाज को दबाने में यकीन नहीं रखते हैं। भले ही उनका संख्याबल कम है, लेकिन अगर वो सही मुद्दे को लाते हैं तो उनकी आवाज सुनी जाएगी।

एकनाथ शिंदे की जमकर तारीफ

देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एकनाथ शिंदे की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे रोल भले ही चेंज हुए हैं, लेकिन दिशा और मंजिल एक ही है ।आगे कहा कि महाराष्ट्र की जनता से जो वादे किए हैं, वो पूरी ताकत से पूरे किए जाएंगे।

शीतकालीन सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार

कैबिनेट विस्तार के सवाल पर फडणवीस ने कहा कि मैं नहीं मानता कि शपथ ग्रहण में देरी हुई है। 7-9 दिसंबर तक महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान स्पीकर का चुनाव हो जाएगा। वहीं, शीतकालीन सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार कर लिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि हम नागपुर अधिवेशन शुरू होने से पहले ही पोर्टफोलियो का काम पूरा कर लेंगे। नई सरकार में मंत्रीमंडल में ज्यादा बदलाव की संभावना कम है।

फडणवीस बोले- लाडली बहनों को 2100 रुपए देंगे

सीएम का चार्ज लेने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हमारे रोल बदले हैं, हमारी दिशा नहीं बदली। सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार आपको देखने मिलेगी। समस्याएं आएंगी तो हम लोग मिलकर रास्ता निकालकर महाराष्ट्र को आगे बढ़ाएंगे। लाडली बहन योजना में अभी 1500 रुपए दे रहे हैं, इसे बढ़ाकर 2100 करेंगे। पहले हम आर्थिक सोर्स मजबूत करेंगे, फिर इसे बढ़ाएंगे।

अब सीएम नहीं रहे एकनाथ शिंदे, तो चुनौतियां भी अपार

वर्तमान में, शिंदे के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह उपमुख्यमंत्री की भूमिका में रहते हुए शिवसेना को सत्ता में बराबरी का भागीदार बनाए रखें। पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता यह नहीं चाहेंगे कि शिवसेना की ताकत सरकार में घटे या उसका वर्चस्व कम हो। शिंदे को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिवसेना के पास महत्वपूर्ण और प्रभावशाली मंत्रालय रहें, ताकि पार्टी का प्रभाव बनाए रखा जा सके। कुल मिलाकर शिंदे को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ सामंजस्य बनाए रखते हुए अपनी पार्टी के लिए सत्ता में पर्याप्त हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी होगी। इसमें उनकी प्राथमिकता यह हो सकती है कि वे शिवसेना के लिए कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों का दावा करें, जो राज्य की राजनीति में पार्टी की ताकत को बनाए रख सकें।

पीएम मोदी ने फडणवीस, शिंदे और अजित पवार को दी बधाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर देवेन्द्र फडणवीस और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को बधाई दी है। पीएम मोदी ने गुरुवार को विश्वास जताया है कि नवगठित सरकार महाराष्ट्र की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने करने के लिए हर संभव यत्न करेगी। मोदी महायुति की सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गुरुवार शाम मुंबई में थे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर देवेंद्र फडणवीस जी को बधाई। राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर एकनाथ शिंदे जी और अजित पवार जी को बधाई।' उन्होंने कहा कि यह टीम अनुभव और गतिशीलता का मिश्रण है तथा इस टीम के सामूहिक प्रयासों के कारण ही महायुति को महाराष्ट्र में ऐतिहासिक जनादेश मिला है। यह टीम राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

'मुंबई' को बूस्टर डोज मिलने की उम्मीद

मुंबई। देवेंद्र फडणवीस को विकास का समर्थक माना जाता है। मुंबई में बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देने में फडणवीस का योगदान रहा है। फडणवीस की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और स्मार्ट प्रशासन के कारण मुंबई में सड़क, मेट्रो एवं पुनर्विकास से जुड़ी कई परियोजनाएं साकार हो सकी हैं। फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने से 'मुंबई' को बूस्टर डोज मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। लोगों को विश्वास है कि मुंबई में चल रही विकास की योजनाओं को गति मिलेगी और ट्रैफिक की गंभीर समस्या से फडणवीस मुक्ति दिलाएंगे। 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री और 2022 से 2024 तक उप उपमुख्यमंत्री रहने के दौरान फडणवीस ने वर्षों से रुकी हुई बुनियादी ढांचों में सुधार एवं विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थीं।

मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक : देवेंद्र फडणवीस के प्रयासों से साकार हुए मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक (MTHL) भीड़भाड़ को कम करने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने से संबंधित प्रोजेक्ट है। 21.8 किलोमीटर लंबा यह समुद्री पुल मुंबई के बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी बना।

हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर : एमटीएचएल फडणवीस के कार्यकाल का एकमात्र प्रोजेक्ट नहीं है बल्कि इस दौरान इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई प्रोजेक्ट की शुरुआत और प्रगति हुई। इसमें मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड ट्रेन, भारत का पहला हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर भी शामिल है। फडणवीस के नेतृत्व में 88,000 से 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए के बीच की अनुमानित लागत वाला 508 किलोमीटर से अधिक लंबा मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बहुत ही कम समय में पूरा हुआ और राज्य के विकास को गति प्रदान कर रहा है।

वर्सोवा-विरार सी लिंक : 43 किलोमीटर लंबी और 60,000 करोड़ की अनुमानित लागत वाला वर्सोवा-विरार सी लिंक (वीवीएसएल) शहर को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने को तैयार है।

मेट्रो लाइन 3, दूसरा चरण : अंडरग्राउंड मेट्रो-3 का दूसरा चरण बीकेसी से कोलाबा तक मार्च 2025 में शुरू होने की संभावना है, जिसका पहला चरण चुनाव से ठीक पहले जनता के लिए शुरू कर दिया गया था। फिलहाल रोजाना करीब 21 हजार यात्री आरे से बीकेसी के बीच सफर कर रहे हैं। पूरी लाइन तैयार होने के बाद यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले 3 शातिर गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने 19 मामलों का किया खुलासा

डीबीडी संवाददाता । पालघर

स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) की पालघर इकाई ने एटीएम बूथों पर कार्ड की हेराफेरी करके लोगों को ठगने वाले तीन शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। इन ठगों का नेटवर्क पूरे राज्य में फैला हुआ है। पालघर समेत अन्य थानों में इन पर एटीएम ठगी के 19 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 30,000 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई 5 लाख रुपये की सफेद होंडा सिटी कार बरामद की है।

ठगी के मामलों में वांछित

क्राइम ब्रांच ने पाया कि ये आरोपी पालघर में (3), नागपुर ग्रामीण (1), ठाणे के मुंब्रा (1), डोंबिवली (1), भिवंडी शहर (3), शिवाजी नगर (1), नारपोली (1), और कल्याण (1) समेत अन्य थानों में ठगी के मामलों में वांछित थे। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील और अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले के निर्देश पर स्थानीय क्राइम ब्रांच प्रभारी प्रदीप पाटील के मार्गदर्शन में की गई। इसमें पुलिस उप निरीक्षक रोहित खोत, गणपत सुले, रविंद्र वानखेड़े, संतोष निकोले और अन्य टीम सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ठगों को टिटवाला इलाके से किया गया गिरफ्तार

पालघर थाने में दर्ज मामले के अनुसार, टेंभोडे निवासी भगवान न. हातेकर (67) ने शिकायत की थी कि बैंक ऑफ इंडिया के माहिम रोड स्थित एटीएम पर पैसा निकालने के दौरान तीन अज्ञात लोगों ने धोखे से उनका एटीएम कार्ड बदलकर उनके खाते से 50,000 रुपये निकाल लिए। जांच के दौरान पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील की टीम ने ठगों को कल्याण के टिटवाला इलाके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में किस्मत ब. अली शेख (27), हसमत ब. अली शेख (32) और हरेश रा. प्रधान उर्फ दैत्या (21) शामिल हैं। पूछताछ में उन्होंने ठगी के लिए एटीएम कार्ड बदलने की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली। इन वारदातों में उनका एक और साथी दीपक विपिन झा भी शामिल था।

स्कूल में बच्ची से हुई छेड़छाड़

मामले को गंभीरता से न लेना प्रिंसिपल को पड़ा महंगा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 वर्षीय लड़की से कथित रूप से छेड़छाड़ किए जाने की घटना सामने आयी। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार की सुबह मुंब्रा इलाके में स्थित एक निजी स्कूल की है। मुंब्रा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि 5वीं की छात्रा जब अपनी कक्षा में अकेली थी, तभी 'शॉर्ट्स' और नीली टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति वहां आया था, जिसके बाद उसने बच्ची से कथित तौर पर छेड़छाड़ और अन्य आपत्तिजनक हरकतें कीं। डरी हुई लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग निकला।

अधिकारी ने बताया कि शोरगुल सुनकर प्रिंसिपल वहां आयी और उनके पूछने पर पीड़िता ने उन्हें घटना की जानकारी दी। प्राथमिकी के अनुसार, प्रिंसिपल को बाद में आरोपी से बात करते हुए देखा गया, जिसने उन्हें कथित तौर पर बताया कि वह लड़की को स्कूल छोड़ने आया था। लड़की ने घटना के बारे में अपने अभिभावकों को बताया और उन्होंने उस व्यक्ति तथा स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायी।

आरोपी की तलाश जारी

अधिकारी ने बताया कि प्रिंसिपल की भी जांच की जा रही है। प्रिंसिपल को आरोपी से बातचीत करते देखा गया था इसलिए माना जा रहा है कि पूछताछ के बाद आरोपी का पता लगाना आसान हो सकता है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण यानी पोक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथी ही उसकी तलाश की जा रही है।

देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने पर खुशी की लहर

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

महाराष्ट्र राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बनाए जाने पर उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण देखने के बाद शहर के विधायक कार्यालय में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई गईं। शपथ ग्रहण के दौरान राष्ट्रगान के शुरू होते ही कार्यालय में सभी उपस्थित लोगों ने खड़े होकर राष्ट्रगान का वाचन किया इसके बाद विधायक कुमार आयलानी के कार्यालय के बाहर पटाखे फोड़े गए और सभी को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर विधायक कार्यालय प्रमुख मंगला चांडा ने अपनी बात रखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजीत पवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देवेंद्र जी के नेतृत्व में जहां पूरे राज्य का विकास होगा वहीं उल्हासनगर शहर का भी अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित है। इस अवसर पर कार्यालय के स्टाफ समेत कई कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

दहेज के लिए ससुराल वालों के कहने पर बेल्ट से पीटता था पति

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

सास, ननंद व पति के खिलाफ केस दर्ज

शादी के बाद तीन साल तक दहेज की मांग और ससुरालवालों के अत्याचार सहने वाली 31 वर्षीय कल्याणी ने तब पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। जानकारी के अनुसार, भिवंडी के कनेरी स्थित तेलीपाड़ा निवासी कल्याणी की शादी तीन साल पहले अंबरनाथ के संदीप वेंकटेश्वरराव काकुला (34) से हुई थी। उनकी एक दो वर्षीय बेटी भी है। महिला ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उसकी सास और ननद दहेज के लिए उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगीं। पीड़िता का कहना है कि उसका पति संदीप अन्य महिलाओं के साथ अवैध संबंध रखता है, और जब उसने इस बारे में सवाल किया, तो वह शराब के नशे में उसे बुरी तरह पीटता था। रिश्ता बचाने के लिए कल्याणी ने यह सब चुपचाप सहन किया, लेकिन जब पति ने अत्याचार की हद पार करते हुए उसे बेल्ट से पीटना शुरू कर दिया, और बेटी के जन्म के बाद सास-ननद की प्रताड़ना और दहेज की मांग बढ़ गई, तो मजबूर होकर उसने भिवंडी के भरोसा सेल में शिकायत दर्ज करवाई। भरोसा सेल की काउंसलिंग के बाद, भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन ने कल्याणी की शिकायत पर उसके पति संदीप वेंकटेश्वरराव काकुला, सास विजयलक्ष्मी वेंकटेश्वरराव काकुला और ननद सरिता वेंकटेश्वरराव काकुला के खिलाफ आईपीसी की धारा 498(अ), 323, 504, 34 और दहेज निषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला (गुनाह रजिस्टर नंबर 1996/2024) दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

अवैध बोर्ड हटवाने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दिया आदेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा क्षेत्र के अंतर्गत अवैध बोर्ड, पोस्टर, बैनर हटवाने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने सभी सहायक आयुक्तों कोआदेश दिया। साथ ही नोटिस जारी व जुर्माना और मामला दर्ज करवाने के लिए कहा। मनपा की बदनामी और हाईकोर्ट के आदेश का पालन करना अति आवश्यक है। बुधवार शाम को सभी उपायुक्त, सहायक आयुक्त, विभागप्रमुख, कार्यकारी अभियंता के साथ में मनपा मुख्यालय पर किया बैठक। इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, नगर अभियंता प्रशांत सोनाग्रा उपस्थित थे। उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोदेपुरे ने सभी विभागों के कार्यप्रणाली की जानकारी दी। जनवरी महीने में पेड़ों की छटनी पहला चरण।हर साल बरसात के आगमन के समय पेड़ों की छटनी के लिए तमाम शिकायत दर्ज कराई जाती है।इसके लिए आयुक्त राव ने दो चरण में करने के लिए निर्देश दिया। शाडू मिट्टी से तैयार मूर्ति कम दर से मिले इसके लिए प्रयास किया जाय। मनपा क्षेत्र के अंतर्गत साल 2024 में 30 प्रतिशत मूर्ति शाडु मिट्टी की थी। इस मिट्टी से बनी मूर्ति को विक्री के लिए जगह जगह स्टॉल की व्यवस्था के लिए आयुक्त राव ने आदेश दिया।

न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद भी निर्माण कार्य जारी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा के प्रभाग समिति 4 कार्यालय से गौरीपाड़ा इलाके में सर्वे न. 13 घर न. 737/1 पर हो रहे अवैध निर्माण कार्य के खिलाफ लगातार कार्रवाई की मांग के एक वर्ष बीत जाने के बाद भी संबधित अधिकारी व कर्मचारियों मिलीभगत कर अवैध निर्माण को संरक्षण देने में जुटे है। जिस के बाद शिकायतकर्ता शरीफ शेख ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, तथा मुंबई मंत्रालय में लिखित पत्र देकर करवाई कि मांग की है।

शिकायतकर्ता का क्या है आरोप ?

शिकायतकर्ता का आरोप है कि न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण कार्य जारी है। जिसके खिलाफ कार्रवाई करने हेतु उन्होंने पत्र के माध्यम से प्रशासक तथा मनपा आयुक्त अजय वैद्य, नगर रचना विभाग, अतिक्रमण विभाग सहित प्रभाग समिति चार के सहायक आयुक्त से की है। पत्र में उन्होंने बताया कि गौरीपाड़ा इलाके में सर्वे न. 13 घर न. 737/1 पर अब्दुल कय्यूम मो. उस्मान शेख द्वारा अवैध रूप से निर्माण कार्य शुरू किया गया है। उक्त अनधिकृत निर्माण कार्य के खिलाफ शेख शरीफ मेहमुदुल हसन द्वारा लगातार कार्रवाई की मांग को देखते हुए मनपा की कार्रवाई से बचने हेतु उक्त निर्माणकर्ता ने भिवंडी न्यायालय में याचिका दायर कर स्वयं अपने निर्माण कार्य पर स्टे ऑर्डर ले लिया। जिसके बाद निर्माण कार्य कुछ महीने तक ठप पड़ा रहा। परंतु हाल ही में उक्त निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया है। जिस पर शिकायतकर्ता शरीफ शेख ने पत्र के माध्यम प्रभाग अधिकारी सुनील भोईर तथा बीट निरीक्षक अमूल वारघाडे को अवगत करते हुए उक्त निर्माणकर्ता के खिलाफ अवमानना के तहत केस दर्ज करने तथा उक्त अवैध निर्माण को निष्कासित करने की मांग की है। इस संबंध में जब मनपा के प्रभाग समिति 4 के सहायक आयुक्त सुनील भोईर से बात की गई तो उन्होंने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही उक्त निर्माणकर्ता के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

व्यक्ति के खिलाफ एमपीडीए एक्ट के तहत कार्रवाई का आदेश रद्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे पुलिस आयुक्त के एक व्यक्ति के खिलाफ एमपीडीए एक्ट के तहत कार्रवाई के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को हिरासत में रखने वाला अधिकारी यह स्पष्ट करने में विफल रहा है कि दूसरी घटना 15 अप्रैल 2024 को कैसे हो सकती है, जबकि याचिकाकर्ता 16 अप्रैल 2024 तक हिरासत में था, जो कि विवेक का प्रयोग न करने का द्योतक है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ के समक्ष पुणे निवासी वैभव अनंत तराडे की याचिका पर सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ता की दलील

याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि जब याचिकाकर्ता 16 अप्रैल 2024 को पहले से ही हिरासत में था, तो 15 अप्रैल 2024 को हुई कथित घटना में उसकी भागीदारी का कोई सवाल ही नहीं है। इसलिए हिरासत में रखने वाले अधिकारी द्वारा दूसरे सी.आर.पर भरोसा करना, उनके हिरासत के लिए आधार के रूप में विवेक का उपयोग न करने को दर्शाता है। पीठ ने कहा कि पुणे के पुलिस आयुक्त द्वारा जारी 22 मई 2024 को याचिकाकर्ता को हिरासत में रखने का आदेश रद्द किया जाता है। उसे तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया जाता है। सिंहगड पुलिस ने दावा किया कि याचिकाकर्ता के पास एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किया गया था। इसलिए उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। वह एक तड़ीपार व्यक्ति था और उसने पहले ही तड़ीपार के आदेश का उल्लंघन किया था। याचिकाकर्ता को उसके खिलाफ 17 अप्रैल 2024 को दर्ज शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। पुणे के पुलिस आयुक्त के 22 मई 2024 को दिए गए आदेश में झुग्गी-झोपड़ी दादा, शराब तस्करी, नशीली दवाओं के अपराध, रेत तस्करी और आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी में लगे व्यक्तियों की खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम 1981 (एमपीडीए अधिनियम) की धारा 3 और उपधारा 2 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए याचिकाकर्ता वैभव अनंत तराडे को हिरासत में लेने का निर्देश दिया था। उसे सिंहगड पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रहने वाले व्यवसायों के जीवन और संपत्तियों के लिए खतरा बताया गया था।

मुख्य कार्यालय विरार
विरार (प),
ता. वसई, जि. पालघर पिन-401 303.

दुरध्वनी:0250-2525105/06/2529888/2529890
फॅक्स: 0250-2525107
ई-मेल: vasaivirarcorporation@yahoo.com
जावक क्र. : व.वि.श.म./मातं/२१७ /२४-२५
दिनांक : ०५/१२/२०२४

E-Tender Notice

Vasai Virar City Municipal Corporation (VVCMC) request for proposal for Selection of System Integrator for Development, Implementation and technical support of various services for vasai virar city municipal corporation.

Sr. No.	Activity/Milestone	Date/Place/Amount
1	Cost of Tender Document (Non Refundable)	Rs. 10,000/- + 18% GST
2	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 4,34,000/-
3	Tender Document downloads and bid submission	Dated: 06/12/2024 To Dated: 20/12/2024 at 03.00 PM
4	Pre-bid meeting	Dated: 11/12/2024 at 12.00 PM.
5	Technical Bid opening date & time	Dated: 23/12/2024 at 11.00 AM
6	Website for downloading & submitting tender document, corrigendum's addendums etc	https://mahatenders.gov.in

Sd/-
(Sameer Bhumkar)
Deputy Commissioner (IT Dept)
Vasai Virar City Municipal Corporation

इंदुमिल में इंटरनेशनल मेमोरियल का 62 फीसदी काम पूरा

एमएमआरडीए ने किया दावा

दीपक पवार । मुंबई

डॉ. चंद्रकांत भंडारे मुंबई के इंदु मिल में एक सामान्य नागरिक हैं। 2003 से वे बाबासाहेब अम्बेडकर के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्मारक बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ प्रयास कर रहे हैं। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने दावा किया है कि इस स्मारक का काम लगभग 62 प्रतिशत पूरा हो चुका है, हालांकि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अंतर्राष्ट्रीय स्मारक पर 465 फुट का राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) फहराने सहित आवश्यक और महत्वपूर्ण बैठकें पूरी हो चुकी हैं। इंदुमिल भूमि पर अभी तक लंबित नहीं होने पर अंतरराष्ट्रीय स्मारक प्रणेता चंद्रकांत भंडारे ने सरकार से नाराजगी जताई है।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की लिखित मांग

इंदु मिल की जमीन पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की लिखित मांग को लेकर 21 साल से सरकार के चक्कर लगा रहे चंद्रकांत भंडारे ने साल 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे को पत्र लिखकर बाकी जो मांगें छूट गई हैं, उस महत्वपूर्ण और जरूरी मामले को आगामी विधानसभा में इंदु मिल की जमीन पर स्मारक की योजना में शामिल किया जाना है। अनुरोध है कि सरकार मानसून सत्र में निर्णय ले और लिये गये निर्णय को लागू किया जाये. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित चंद्रकांत भंडारे ने पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जगह दी। प्रतिमा निर्धारण समिति के सदस्य चंद्रकांत भंडारे ने मालवण के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के बाद केंद्र को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति की सुरक्षा के बारे में जानकारी मांगी गई है कि इस मूर्ति में किस सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है. चूँकि समुद्र नजदीक है और हवा की गति तेज़ है, इसलिए इसके लिए कुछ उपाय किए गए हैं। स्मारक में मूर्ति के लिए किस सामग्री का उपयोग किया गया है और मूर्ति के लिए किस प्रकार के पत्थर का उपयोग किया गया है। चंद्रकांत भंडारे ने सरकार को पत्र लिखकर प्रतिमा की सुरक्षा को लेकर कई सवाल पूछे हैं।

राज्य के आर्थिक विकास को मिला बूस्टर डोज

वाशिंगटन/मुंबई। महाराष्ट्र में नई सरकार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह हुआ। मुंबई के आजाद मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में राज्य में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महायुति सरकार ने शपथ ली। इस बीच प्रदेश के लिए एक अहम खबर सामने आई है। वर्ल्ड बैंक ने महाराष्ट्र के लिए 188.28 करोड़ का लोन मंजूर किया है। विश्व बैंक ने एक प्रेस रिलीज के जरिए यह जानकारी दी है। बैंक ने कहा है कि विश्व बैंक ने यह लोन कम विकसित जिलों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए दिया है। इस लोन से जिलों में कुशल विकास में मदद मिलेगी। जिसमें जिला योजना और विकास रणनीतियां शामिल होंगी।

विश्व बैंक ने क्या कहा?

विश्व बैंक ने एक बयान में कहा कि विकास कार्यों को गति देने, जिलों में संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करने के लिए वह 'महाराष्ट्र संस्थागत क्षमता सुदृढ़ीकरण' के तहत 18.82 करोड़ अमेरिकी डॉलर की जिला योजना और विकास रणनीतियों का समर्थन करेगा। इस अभियान के तहत निवेश से जिलों को आवश्यक डाटा, धन और विशेषज्ञता प्राप्त होगी, जिससे विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिल सकेगा।

कैसे मिलेगा फायदा?

बयान में कहा गया है कि इससे जिलों में व्यवसायों, विशेषकर पर्यटन क्षेत्र में ई-सरकारी सेवाओं में सुधार करके निजी क्षेत्र की भागीदारी भी बढ़ेगी। भारत में विश्व बैंक के 'कंट्री डायरेक्टर' ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा कि जिला स्तर पर संस्थागत क्षमता और समन्वय में स्पष्ट निवेश प्रदान करके यह कार्यक्रम साक्ष्य-आधारित नियोजन और नीति निर्माण, निजी क्षेत्र के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के कुशल 'इंटरफेस' और जनता के लिए बेहतर सेवा वितरण को बढ़ाएगा। ये सभी विशेष रूप से पिछड़े जिलों में विकास के आधार हैं। मीडिया रिलीज में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी) से प्राप्त 18.82 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण की मियाद की अवधि 15 वर्ष है, जिसमें पांच वर्ष की छूट अवधि भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे ने जांच अभियान के दौरान 93 करोड़ वसूले

मुंबई। पश्चिम रेलवे पर सभी वैध यात्रियों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की निगरानी में अत्यधिक अनुभवी टिकट जांच टीम द्वारा अप्रैल से नवंबर, 2024 के बीच कई टिकट जांच अभियान चलाए गए, जिनसे 93.47 करोड़ रुपये प्राप्त किए गए ।इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 30.63 करोड़ रुपये भी शामिल हैं।

131 लाख रुपये वसूले

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर, 2024 के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 2.01 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रियों का पता लगाकर 12.91 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई। इसके अलावा, नवंबर के महीने में भी पश्चिम रेलवे ने मुंबई उपनगरीय खंड पर 82 हजार मामलों का पता लगाकर 4.03 करोड़ रुपये का जुर्माना प्राप्त किया। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत यात्रियों को रोकने के लिए नियमित औचक टिकट जांच अभियान चलाए जाते हैं। इन अभियानों के परिणामस्वरूप अप्रैल से नवंबर, 2024 के दौरान लगभग 40,000 अनधिकृत यात्रियों पर जुर्माना लगाया गया है और जुर्माने के रूप में 131 लाख रुपये वसूल किये गये।

रूपाली गांगुली ने बदनामी पर लगाम लगाने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा द्वारा की जा रही बदनामी पर लगाम लगाने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। अभिनेत्री ने अदालत सेअनुरोध किया है कि उनकीबदनामी तत्काल रोकने के लिए आदेश दिया जाए। जबकि दूसरा मामला मेट्रोपॉलिटन कोर्ट में लंबित है। जिसमें अभिनेत्री ने अपनी मानहानि के लिए 50 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की है। ईशा द्वारा सौतेली मां रूपाली और पिता अश्विन वर्मा के खिलाफ लगाया गया आरोप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

जल्द सुनवाई होगी

इस मामले की जल्द सुनवाई हो सकती है। रूपाली गांगुली की वकील सना खान ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में उनके (रूपाली) नाम और दुर्भावनापूर्ण आरोपों पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। याचिका में दावा किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को बिना जवाबदेही के दूसरों को बदनाम करने के लिए सार्वजनिक प्लेटफार्म का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

50 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा

ईशा द्वारा कुछ वीडियो और पोस्ट सार्वजनिक प्लेटफार्म पर साझा किया गया था। जिसमें सौतेली मां रूपाली को उसके दर्दनाक बचपन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। साथ ही रूपाली पर उनकी (ईशा) मां के गहने चुराने और शारीरिक रूप से दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया गया है। इस पोस्ट को लेकर ईशा के पिता और रूपाली के पति अश्विन वर्मा के खंडन के बावजूद ईशा ने सोशल मीडिया पर आरोपों का वीडियो साझा करना जारी रखा। जिससे विवाद और बढ़ गया है और रूपाली ने 11 नवंबर को अपनी प्रतिष्ठा को अपूर्णीय क्षति होने का हवाला देते हुए ईशा के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा मेट्रोपॉलिटन कोर्ट में दायर किया था।

भारतीय रेल पर ट्रैक निरीक्षण का मशीनीकरण

मुंबई। भारतीय रेल (IR) ने ट्रैक निरीक्षण के मशीनीकरण की दिशा में प्रगति की है। इससे पारंपरिक पद्धति में सुधार हुआ है जो पूरी तरह से कीमैन, पी-वे गैंग और अन्य द्वारा मैन्युअल निरीक्षण पर निर्भर होती है। माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेल के प्रत्येक जोन को रेलवे ट्रैक की निगरानी के लिए ट्रैक रिकॉर्डिंग कार उपलब्ध कराई जाएगी।

आईटीएमएस क्या है?

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITMS) एक प्रणाली है जो ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) में स्थापित की जाती है। इस प्रणाली में रेल ट्रैक के मापदंडों को रिकॉर्ड करने और 20 - 200 किमी प्रति घंटे की गति सीमा में ट्रैक की निगरानी करने की क्षमता है। यह प्रणाली विभिन्न तकनीकों का एक संयोजन है जो सुरक्षित और कुशल रेल परिचालन सुनिश्चित करते हुए रेलवे ट्रैक से जुड़े मापदंडों को मापने में मदद करती है।

यह क्या करता है?

आईटीएमएस विभिन्न ऑन-बोर्ड सेंसर, कैमरे आदि से डेटा कलेक्ट करने, उसका एनालिसिस करने और उसे संसाधित करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और एक इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। इसे भारतीय रेल के टीएमएस (ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम) के साथ एकीकृत किया गया है ताकि प्रत्येक रेलवे ट्रैक रिकॉर्डिंग रन की रिपोर्ट टीएमएस पोर्टल पर उपलब्ध हो सके।

'एकनाथ शिंदे बेचारे बंटे भी नहीं, फिर भी कट गए'

महाराष्ट्र की नई सरकार पर संजय सिंह का तंज

मुंबई। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए नई सरकार का गठन कर लिया है। वहीं, एकनाथ शिंदे और अजित पवार डिप्टी सीएम पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस बीच चारों ओर से बधाइयों की लड़ियां लगी हैं तो वहीं विपक्षी दल महायुति और खास कर बीजेपी पर जुबानी हमला बोल रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली से आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की भी तीखी प्रतिक्रिया आई है। संजय सिंह ने बीजेपी पर एकनाथ शिंदे को साइडलाइन करने का आरोप लगाया है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए संजय सिंह ने बीजेपी के 'बंटेंगो तो कटेंगे' नारे पर निशाना साधते हुए कहा, ₹बेचारे एकनाथ शिंदे तो बंटे भी नहीं, फिर भी कट गए। एकनाथ शिंदे को लेकर आप सांसद संजय सिंह ने कहा, ₹शिंदे बेचारा बंटा नहीं, फिर भी कट गया। इसका जवाब कौन देगा? वो तो बीजेपी वालों के पीछे-पीछे ही लगे थे फिर भी पार्टी ने उनसे किनारा कर लिया। बीजेपी अपने मकसद में कामयाब हो गई।

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद-थिविम के बीच द्वि-साप्ताहिक शीतकालीन विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09412	अहमदाबाद - थिविम (द्वितीय-साप्ताहिक)	08.12.2024 से 01.01.2025	14:10 बजे (रविवार और बुधवार)	11:00 बजे (अगले दिन)
09411	थिविम - अहमदाबाद (द्वितीय-साप्ताहिक)	09.12.2024 से 02.01.2025	11:40 बजे (सोमवार और गुरुवार)	08:45 बजे (अगले दिन)

ठहराव: आनंद, वडोदरा, भरूच, उधना, वलसाड, वापी, पालघर, वसई रोड, पनवेल, रोहा, मानगांव, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कंकवली, कुडाल और सावंतवाड़ी रोड स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या **09412** के लिए बुकिंग **07.12.2024** से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण साथ रखें

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद एवं थिविम के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा शीतकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए अहमदाबाद और थिविम स्टेशन (वाया वसई रोड) के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की।

अहमदाबाद- थिविम स्पेशल

ट्रेन संख्या 09412 अहमदाबाद - थिविम स्पेशल अहमदाबाद से प्रत्येक रविवार और बुधवार को 14.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.00 बजे थिविम पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09411 थिविम-अहमदाबाद स्पेशल प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को थिविम से 11.40 बजे रवाना होगी और अगले दिन 08.45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 दिसंबर, 2024 से 2 जनवरी, 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, वडोदरा, भरूच, उधना, वलसाड, वापी, पालघर, वसई रोड, पनवेल, रोहा, मानगांव, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कणकवली, कुडाल और सावंतवाड़ी रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना संख्या: ईएल 166/147/डब्ल्यूए /48 दिनांक **27/11/2024, 26/12/2024** को देय. लागत में परिवर्तन किया गया है, कृपया इसे निम्न प्रकार पढ़ें पहले: एनआईटी लागत 1,64,43,553.24. **इसे इस प्रकार पढ़ें: 1,64,43,553.26.** पहले: **ईएमडी:** 2,32,200. "इसे इस प्रकार पढ़ें*: 2,32,200/-. अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी.

0812

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

रखरखाव कार्य

वरिष्ठ डीईई/पी/बीसीटी आमंत्रित करता है **ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल166/134/डब्ल्यूए/97(आर-2) दिनांक: 02.12.2024. कार्य और स्थान:** मुंबई डिवीजन-सुगम्य भारत अभियान (चरण-2) के अंतर्गत पश्चिम रेलवे द्वारा स्टेशनों पर 24 लिफ्ट (मूल रूप से 40) का प्रावधान (विद्युत और सिविल कार्य के लिए समग्र निविदा) के कार्य के संबंध में 06 लिफ्टों का प्रावधान. **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,52,21,209.59. **बोली सुरक्षा ईएमडी की लागत:** 2,76,100.**प्रस्तुत करने की जमा करने की तिथि और समय:** 30.12.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 30.12.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in

0793

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मौजूदा स्टाफ क्वार्टरों में सुधार

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008.आमंत्रित करता है **निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/225 दिनांक: 02.12.2024. कार्य और स्थान: विरार-जोरावासन सेक्शन:** एडीईएन/डीआरडी के अधिकार क्षेत्र के तहत मौजूदा स्टाफ क्वार्टरों में सुधार. **कार्य की अनुमानित लागत:** 3,78,38,391.79. **ईएमडी:** 3,39,200/- . **जमा करने की तिथि और समय:** 27.12.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 27.12.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं.

0792

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly

राज्य सरकार कंपनियों के साथ अलग-अलग व्यवहार नहीं कर सकती: हाईकोर्ट

मुंबई। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को दूध पाउडर निर्माता कंपनी को 75 लाख रुपए की निर्यात सब्सिडी जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि सरकार एक जैसे व्यापार की अलग-अलग कंपनियों के साथ अलग-अलग व्यवहार नहीं कर सकती है। सरकार द्वारा निर्माता कंपनी को सब्सिडी का भुगतान नहीं करना, समान व्यापार वाली कंपनियों के साथ अलग-अलग व्यवहार करने के बराबर होगा। जो अनुच्छेद 14 के तहत निष्पक्षता और बिना भेदभाव के सिद्धांतों के खिलाफ है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं: उप मुख्य अभियंता/ओ एंड एम/ईटी-20/एसडब्ल्यूडी दिनांक 05.12.2024

बृहन्मुंबई महानगरपालिका ई-निविदा सूचना	
विभाग	मुख्य अभियंता (एसडब्ल्यूडी)
उप विभाग	उप मुख्य अभियंता (ओ&एम) एसडब्ल्यूडी
विषय	**ईटी-20**- एसडब्ल्यूडी कार्यशाला परिसर की सफाई के लिए सेवाएं प्रदान करने का कार्य। **निविदा आई.डी.:2024_ एमसीजीएम_1120572**
ई-निविदा बिक्री	दिनांक 05.12.2024 समय: 11.00 बजे से।
	दिनांक 12.12.2024 से समय: 16.00 बजे तक।
वेबसाइट	http://mahatender.gov.in
संबंधित अधिकारी नाम	श्रीमती वनिता एम. कोकाटे कार्यकारी अभियंता(ओ एंड एम) यांत्रिक एसडब्लूडी
टेलीफोन नंबर	(कार्यालय) 022-24309817 022-24309472
मोबाइल नंबर	9833539029
ई-मेल पता	aeomcity10.swd@mcgm.gov.in

पीआरओ/1905/विज्ञा./2024-25

हस्ता./
कार्य. अभियंता(ओ एंड एम) यांत्रिक एस.डब्लू.डी.

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

वसई विरार शहर महानगरपालिका

प्रभाग समिती (ई) नालासोपारा (पश्चिम)
मुख्य कार्यालय विरार
दूरध्वनी क्र. 12250-2402179/ 2402563

जा.क्र. वविशम/कवि/ 1604/2024-25
दिनांक - 03/12/2024

जाहिर नोटीस

महाराष्ट्र मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ४६९ अन्वये जाहिर नोटीस खालील मालमत्तेच्या हस्तांतरण संबंधाने वसई-विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती (ई) कार्यालय नालासोपारा येथे प्राप्त झालेल्या मालमत्ता धारकांच्या प्रकरणपरत्वे नोटीसीनुसार सदर हस्तांतरण संदर्भाने कोणत्याही हितसंबंधाने हरकत अगर आक्षेप असल्यास ही नोटीस प्रसिध्द झाल्यापासून ७ दिवसाच्या आत हितसंबंधाच्या व हरकतीच्या लेखी पुराव्यासह वसई-विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती (ई) कार्यालय नालासोपारा येथे लेखी स्वरुपात हरकत नोंदवावी अन्यथा करवसुलीच्या सोयीसाठी सदर हस्तांतरण करुन महानगरपालिका दप्तरी याबाबतची नोंद घेतली जाईल.

अ. क्र.	विभाग	मालमत्ता क्र.	रिसीट नं.	ज्याचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजे मालमत्ता विकणाऱ्या किंवा करदात्याचे नाव	खरीददाराचे किंवा अभिहस्तांकन करदात्याचे नाव
१.	निळेमोर-७	NL३०/३४७/११	३६०४	अनिल संभाजी पाटील	आरोही अमीत झेपले
२.	निळेमोर-७	NL३०/३८१/६३	३४२६	अरविंद राजेन्द्र शर्मा	रेहाना मोहम्मद अली सैय्यद
३.	निळेमोर-७	NL३०/३९५/५६	३४९०	धरमलाल पी सैनी	चुन्मुन धीरज सिंह
४.	निळेमोर-७	NL३०/३४१/१७	३४७४	महेश बा गुरव	निशा पवन कुमार यादव
५.	निळेमोर-७	NL३०/२७४/२	३४७२	मुकेश धी मीना	गणेश बंडु वाडेकर
६.	निळेमोर-७	NL३०/२५४/५०	३४५४	रुक्मीणी रेबनदास मेथाम	नागराज रंगा गानिया
७.	निळेमोर-७	NL३०/१५६/२७	३४६८	राजेश सुर्यकांत कदम	रिध्दी सिकंदर पवार
८.	निळेमोर-७	NL३०/१८९/२	३४८२	प्रियंका प्रशांत गोलम	टवीकल अंकुश कदम
९.	निळेमोर-६	NL२९/१२८/१६	३४४८	कमल आर झा	तरुन पुरवराज चौधरी
१०.	निळेमोर-६	NL२९/१३३/१५०	३४४४	पवन बद्रीनाथ गुप्ता/राजेंन्द्र बद्रीनाथ गुप्ता	पवन बद्रीनाथ गुप्ता
११.	निळेमोर-६	NL२९/१८०/६३	३५४०	अजय नागेश माने/अजु नागेश माने	अखीलेश कुमार पाण्डये/निलु अखीलेश पांडये
१२.	निळेमोर-६	NL२९/२२७/११	३५५६	श्रीसदगुरु कंन्स्ट्र.	आशीष कुमार विजयकुमार पांडे/पुजा आशीषकुमार पांडे
१३.	निळेमोर-६	NL२९/११४/७२	३३०२	गोविंद सिंह असेलीया	राजेंन्द्र हीरालाल कारी/भावना राजेंन्द्र कोरी
१४.	निळेमोर-६	NL२९/१५५/५५	३५७०	श्रीकांत एस गांधीया	सचीन अशोक कारेकर /प्रिया सचीन कारेकर
१५.	निळेमोर-६	NL२९/२१८/४३	३५२५	शमीना बानो मोहम्मद /तौफीस हुसैन शेख	अनवर अली इद्रीस शेख मुमताज अनवर अली शेख
१६.	निळेमोर-६	NL२९/१४८/४०	३४४६	कातॉय कन्स्ट्र.	पवन बद्रिनाथ गुप्ता
१७.	निळेमोर-६	NL२९/१६०/१२५	३४२१	साई जिवदानी इंटरप्राईज	नितेश नारायण गोरिवले/निर्जला निलेश गोरिवले
१८.	निळेमोर-६	NL२९/१६०/१०६	३४१९	साई जिवदानी इंटरप्राईज	सतिश बी शेट्टी
१९.	निळेमोर-६	NL२९/११९/११९	प्रथम	राजेश वाय शेजवाल	विनोद दादाराम पगारे
२०.	निळेमोर-६	NL२९/१८७/२२०	३३४१	शिव शक्ती प्रोपाटॉन	मनोज कुमार शिवनाराय वर्मा/सिनाकुमार वर्मा

सही/-
(सौंदर्या संतोष संखे)
सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती (ई)नालासोपारा

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

स्वदेशी ज्ञान को मान

परतंत्रता, वक्त के थपेड़ों व कालांतर बाजार के गहरे दखल से भले ही भारत का प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, लेकिन पिछले एक दशक के राजाश्रय में इसकी देश-विदेश में प्रतिष्ठा स्थापित हुई। भारत में अथाह गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। यह सुखद ही है कि एक दशक पूर्व राजग सरकार ने जिस आयुष मंत्रालय की स्थापना करके इस दिशा में जो रचनात्मक पहल की थी, उसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उसके चलते भारत ही नहीं, विदेशों में भी हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। इस अभियान के एक दशक पूरे होने पर आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। ये एक बहुत उत्साहजनक आंकड़ा है। इतना ही नहीं आयुष बाजार का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित उन्नति की है। ऐसे में यदि विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता का कल्याण ही होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि आयुष बाजार के विस्तार से जहां सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है, वहीं इससे रोजगार व उद्यमिता को भी संबल मिला है। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली है। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व आस्ट्रेलिया आदि में योग के सामान से जुड़ा कारोबार ज्यादा ऊंचाइयां छू रहा है। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। उनका आधार वैज्ञानिक प्रमाण हों। इससे भारत पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के जरिये वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम हो सकेगा। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा,योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। साथ ही यह भी कि हमारे विचार, खानपान और प्रकृति का सान्निध्य जीवन को स्वस्थ बनाने में मददगार होता है। जिसका मूल आधार हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होता है। लेकिन इसके मायने आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं है, बल्कि समन्वय ही है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो सेहत के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा। भारतीय जीवनशैली, खानपान, परिवेश व ऋतुचक्र के अनुरूप यदि उपचार होगा तो उसका सकारात्मक प्रतिसाद भी मिलेगा। ऐसे में हमारी सस्ती परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां गरीब, विकासशील व ग्लोबल साउथ के देशों को आरोग्य की राह दिखा सकती हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

ब्रिक्स देशों की पहल से बढ़ी अमेरिकी बेचैनी

अभी अमेरिका में नए राष्ट्रपति के रूप में ट्रम्प ने शपथ नहीं ली है। लेकिन तेवर इतने घबराए हुए और अलग से हैं कि सारी दुनिया की निगाहों में हैं। वैसे भी अपनी निजी जिन्दगी में ट्रम्प को लेकर किस्से-कहानियां कम नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि ट्रम्प से पहले चुनौतियां नहीं हैं। शपथ से पहले ही बड़ी-बड़ी चुनौतियों का अंबार है। एक ओर किंम जोंग के सख्त तेवर तो दूसरी ओर यूक्रेन और रूस जंग। वहीं ताइवान और फिलीपींस में चीन का दखल, तो तेहरान के तीखे स्वर। मिडिल ईस्ट में एक और नयी जंग की संभावना से रूस और अमेरिका के बीच संभावित प्रॉक्सी वॉर की आहट भी क्योंकि यहां पिछले दिनों अमेरिका समर्थित आतंकवादी समूह ने देश के दूसरे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है।

यह सभी डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के लिए मुश्किलों से ज्यादा कुछ नहीं होगा। इन चुनौतियों के बावजूद ट्रम्प की हालिया चेतावनी भी कुछ बड़ा संकेत दे रही है। उन्होंने भारत, चीन समेत ब्रिक्स देशों को सीधे-सीधे धमकी भी दे दी है। डॉलर का विकल्प तलाशने की कोशिश करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की चेतावनी बताती है कि अमेरिका डॉलर के विकल्प को लेकर खासा चिंतित है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि डॉलर से दूर होने की ब्रिक्स देशों की कोशिश में वो मूकदर्शक बने रहें ऐसा नहीं होगा क्योंकि यह दौर अब ख़त्म हो गया है। इतना ही नहीं उन्होंने लिखा है कि हमें इन देशों से प्रतिबद्धता की ज़रूरत है कि वे न तो कोई नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही ताक़तवर अमेरिकी डॉलर की जगह लेने के लिए कोई अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। यह ट्रम्प का डर है। यदि ब्रिक्स देश ऐसा करेंगे तो उन्हें बेहतरीन अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अपने उत्पाद बेचने को विदा कहना होगा। निश्चित रूप से डोनॉल्ड ट्रम्प की यह धमकी हल्की नहीं है और न ही इसे उनकी तुनक मिजाजी कहा जा सकता है। यह बहुत ही सोची-समझी रणनीतिक सोच है।

ध्यान देना होगा कि 30 अक्तूबर को यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयासों में मदद करने के आरोप में 19 भारतीय कंपनियों और दो भारतीय नागरिकों सहित करीब 400 कंपनियों और व्यक्तियों पर पहले ही अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि अमेरिका ने भारतीय कंपनियों को निशाना बनाया हो। नवंबर, 2023 में भी एक भारतीय

कंपनी रूस की सेना को मदद के आरोप में प्रतिबंधित हुई थी।

ट्रम्प की इस धमकी के मायने गहरे हैं। श्रीलंका का उदाहरण सामने है। वहीं उनका यह ऐलान कि अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता छोड़ना, विकासशील देशों के साथ एक तरह से आर्थिक युद्ध ही होगा। इधर आंकड़े बताते हैं कि विश्व में 62 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय ऋण अमेरिकी डॉलर मे हैं तो वैश्विक लेन-देन भी अमेरिकी डॉलर में हैं जो 88 प्रतिशत है। डोनॉल्ड ट्रम्प की मंशा कहें या एकाधिकार या दादागीरी कुछ भी वह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जड़ों को किसी भी कीमत पर कमजोर या चुनौती से गुजरते नहीं देखना चाहते। साल 2006 में ब्राजील, रूस, भारत, चीन को मिलाकर ब्रिक्स समूह बना। साल 2010 में

ऋतुपर्ण दवे

इसमें दक्षिण अफ्रीका शामिल हुआ। सभी देशों के अंग्रेजी के पहले अक्षर को लेकर ब्रिक्स बना। इस समूह के गठन का उद्देश्य ही दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण विकासशील देशों को एकसाथ लाना था। इसके पीछे मंशा साफ थी कि उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के रईस देशों की राजनीतिक और आर्थिक ताक़त को चुनौती दी जा सके। इस समूह की बढ़ती ताकत निश्चित रूप से दुनिया के दारोगा को चुभ रही होगी। इसी साल की शुरुआत में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ आने से दुनिया को ब्रिक्स समूह की ताकत का अहसास होने लगा था। कहां इस समूह का नाम ब्रिक्स प्लस करने की चर्चाएं जोरों पर थीं कि ट्रम्प की धमकी सामने आ गई। मौजूदा ब्रिक्स समूह की संयुक्त जनसंख्या फिलहाल 3.5 अरब है जो दुनिया की कुल जनसंख्या का 45 प्रतिशत है। यदि संयुक्त अर्थव्यवस्था की बात करें तो 28.5 लाख करोड़ डॉलर की हैसियत है जो दुनिया की अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है। ट्रंप की नाराजगी की वजह समझ आती है क्योंकि इसी साल अक्तूबर में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन व्यापार के लिए न केवल डॉलर की वैकल्पिक करेंसी की बात हुई बल्कि एक प्रतीकात्मक ब्रिक्स बैंक नोट का अनावरण भी हुआ। इस बैंक नोट पर ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के झंडे भी हैं। निश्चित रूप से इसे ही सीधे-सीधे अमेरिकी डॉलर के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा होगा। ऐसे में ट्रम्प को नए कार्यकाल में इससे अकल्पनीय आर्थिक चुनौतियां भी झलकने लगी होंगी जिससे उनकी चिंता और बढ़ी होगी।

फिलहाल डॉलर ही वो मुद्रा है जो विश्व के लगभग 58 प्रतिशत विदेशी मुद्रा भंडार की प्रतिनिधि है तथा तेल जैसी प्रमुख वस्तुओं के व्यापार का अहम हिस्सा है। ट्रम्प को लगता होगा कि इससे अमेरिका का आर्थिक तिलिस्म टूट जाएगा।

जीवन मंत्र — अमृत साधना

कुएं में फंसा चांद

आस-पास काफी खोज-बीनकर वह एक रस्सी ले आया, कुएं में उस रस्सी को फेंक फंदा बनाया, चांद को फंसाया। अब चांद तो क्या फंसता, एक चट्टान फंस गई!

क्या कभी चांद कुएं में फंस सकता है? यह सुनकर हंसी आती है, लेकिन अपनी जिंदगी में हम इसी तरह व्यवहार करते हैं। जब भी कोई परेशानी आती है, हमें लगता है, जैसे चांद कुएं में उतरकर फंस गया हो। फिर हम बहुत दिमाग लड़ाते हैं, किताबें पढ़ते हैं, योग-तपस्या करते हैं, ताकि चांद को वहां से निकाल सकें। ओशो एक कहानी कहते हैं कि चांदनी रात में एक पागल आदमी सुनसान रास्ते से गुजर रहा था। वह एक वृक्ष के पास रुका। वृक्ष के पास ही एक बड़ा-सा कुआं था। उस पागल आदमी ने कुएं में झांककर देखा, तो उसमें उसे चांद का प्रतिबिंब दिख रहा था। उसने सोचा, बेचारा चांद कुएं में कैसे गिर पड़ा! अब क्या करूं? कैसे मैं इसको बचाऊं?

आस-पास काफी खोज-बीनकर वह एक रस्सी ले आया, कुएं में उस रस्सी को फेंक फंदा बनाया, चांद को फंसाया। अब चांद तो क्या फंसता, एक चट्टान फंस गई! वह आदमी पूरी ताकत लगाकर रस्सी खींचने लगा। चट्टान बड़ी थी। आखिरकार फंदा टूट गया, चट्टान फिर कुएं में गिर गई, और वह आदमी भी धड़ाम से गिरा- चारों खाने चित। कराहते हुए उसने जब आंखें खोलीं और ऊपर देखा, तो चांद आकाश में भागा चला जा रहा था! उसने राहत की सांस ली- चलो, बचा तो दिया बेचारे को। मुझे थोड़ी-बहुत चोट लगी तो लगी, मगर चांद तो मुक्त हो गया। वह पागल जैसी बेवकूफी कर रहा था, वैसी ही बेवकूफी सामान्य आदमी करता है, जब वह सोचता है कि वह इस संसार में फंस गया है या दुखों से घिरा है। सभी बुद्ध पुरुषों का यही कहना है कि तुम चांद हो, कुएं में कैसे गिर सकते हो? मगर दुनिया इसी उलझन में पड़ी है, पागल की तरह, जिसका चांद कुएं में फंस गया था।

ओशो कहते हैं, 'सत्य यह है कि मनुष्य कभी फंसा ही नहीं है। वह जो हमारे भीतर है, निरंतर मुक्त है। वह किसी बंधन में कभी नहीं हुआ है। लेकिन उसकी परछाईं फंस गई है। हम तो बाहर हैं, पर हमारी तस्वीर फंस गई है और हमें यह पता ही नहीं कि हम तस्वीर से ज्यादा भी हैं। हमें बस यही पता है कि हम अपनी तस्वीर हैं! यही मुश्किल हो गई है। हम सब अपनी तस्वीर को ही अपना होना समझे बैठे हैं!'

इसीलिए ध्यान करने का इतना आग्रह है। ध्यान दरअसल बहुत सुकून भरी अनुभूति है। सचमुच कोई ध्यान में गहरे जाए, तो लगता है कि गहरे कुएं में उतर रहे हों। उस कुएं में दिखने वाला चांद हम स्वयं हैं। आसमान के चांद को तो लोग सदियों से देखते रहे हैं, एक आसमान अंदर भी है और उसका अपना चांद भी है, जो हम ही हैं। स्वयं चांद होने का यह एहसास बहुत सुखद होता है। आप भी इसका अनुभव करिए।

जीवन ऊर्जा — एंड्रयू कुओमोः जन्म 6 दिसंबर, 1957 — जन्म

असफलता सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है

एंड्रयू कुओमो का जन्म 6 दिसंबर, 1957 को हुआ था और वे 2011 से 2021 तक न्यूयॉर्क के गवर्नर रहे। उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान उनके नेतृत्व और प्रगतिशील नीतियों पर उनके ध्यान के लिए जाना जाता है। कुओमो ने कदाचार के आरोपों के बीच 24 अगस्त, 2021 को गवर्नर के पद से इस्तीफ़ा दे दिया।

आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है चलते रहना। हम भविष्य को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन हम यह नियंत्रित कर सकते हैं कि हम इसके लिए कैसे तैयारी करते हैं। कठिन समय लंबे समय तक नहीं टिकता, लेकिन कठिन लोग टिकते हैं। आपको चुनौतियों का सामना करना होगा और उनका डटकर सामना करना होगा। नेतृत्व का मतलब प्रभारी होना नहीं है। इसका मतलब है अपने प्रभार में आने वालों का ख्याल रखना। सफलता कोई मंजिल नहीं है, यह एक यात्रा है। अगर हम साथ मिलकर काम करें तो हम जो हासिल कर सकते हैं उसकी कोई सीमा नहीं है। न्यूयॉर्क की ताकत उसके लोगों की विविधता में निहित है। बस बैठकर चीजों के होने का इंतजार मत करो;

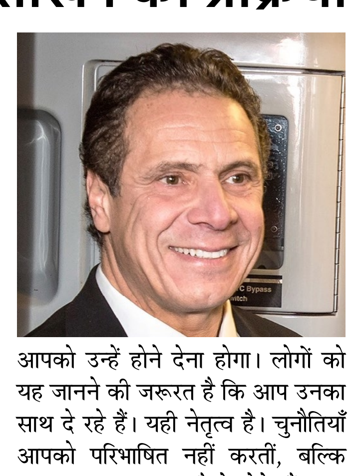

आपको उन्हें होने देना होगा। लोगों को यह जानने की जरूरत है कि आप उनका साथ दे रहे हैं। यही नेतृत्व है। चुनौतियाँ आपको परिभाषित नहीं करतीं, बल्कि आप उनका जवाब कैसे देते हैं, यह मायने रखता है। हमें भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है और अतीत में नहीं उलझना चाहिए। जब आप निराश होते हैं, तो आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका ऊपर उठना होता है। नेतृत्व का मतलब समाधान ढूंढना होता है, दोष देना नहीं। नेता का मापदंड यह नहीं है कि वे आसान समय में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, बल्कि यह है कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में कैसे आगे बढ़ते हैं। प्रगति करने के लिए, आपको कठिन निर्णय लेने होंगे। कठिन क्षणों में, आपके चरित्र की परीक्षा होती है। सरकार की शक्ति लोगों की शक्ति में है। आप असफल होने से नहीं डर सकते क्योंकि असफलता सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है। हम अतीत को नहीं बदल सकते, लेकिन हम भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह इस बारे में नहीं है कि आप कितनी बुरी तरह गिरते हैं; यह इस बारे में है कि आप कितनी मुश्किल से वापस उठते हैं।

सक्सेस मंत्र

मुश्किलों से लड़कर ही बनते हैं विजेता

मुश्किलें हर किसी के जीवन में आती हैं। कुछ लोग उसमें उलझकर अपना रास्ता भटक जाते हैं। मगर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, तो इनसे जूझकर बाहर निकलते हैं और विजेता बनते हैं। इसलिए अपनी तकलीफों का मुकाबले किसी के साथ करने में कोई समझदारी की बात नहीं है। इससे बेहतर होगा अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान केंद्रित करना। यह कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इसमें छोटी सी बच्ची अपनी मुश्किलों से परेशान हो जाती है। जब वह अपने पिता से इस बारे में बात करती है, तो वह उसे जो सीख देते हैं वह नायाब है। एक दिन एक छोटी सी लड़की अपने पिता को अपना दुख व्यक्त करते-करते अपने जीवन को कोसते रही थी। वह बता रही थी कि उसका जीवन बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रहा है। साथ ही उसके जीवन में एक दुख का समय जाता है तो दूसरा चला आता है और वह इन मुश्किलों से लड़-लड़ कर अब थक चुकी है। वह करे तो क्या करे? उसके पिता पेशे से एक शेफ़ थे। अपनी बेटी की इस बात को सुनने के बाद वह उसे रसोईघर लेकर गए और 3 कढ़ाईयों में पानी डाल कर तेज आंच पर रख दिया। जैसे ही पानी गरम हो कर उबलने लगा, पिता ने एक कढ़ाई में एक आलू डाला, दुसरी में एक अंडा और तीसरी में कुछ कॉफी के बीन्स डाल दिए। वह लड़की बिना कोई प्रश्न किये अपने पिता के इस काम को ध्यान से देख रही थी। 15-20 मिनट के बाद उन्होंने गैस बंद कर दी और एक कटोरे में आलू को रखा, दुसरे में अंडे को और कॉफी बीन्स वाले पानी को एक कप में। अब पिता ने बेटी की तरफ उन तीनों कटोरों को दिखाते हुए एक साथ कहा। आलू, अंडे, और कॉफी बीन्स। पिता ने दुबारा बताते हुए बेटी से कहा। पास से देखो इन तीनों चीजों को। बेटी ने आलू को देखा, जो उबलने के कारण मुलायम हो गया था। उसके बाद अंडे को देखा, जो उबलने के बाद अन्दर से कठोर हो गया था। और अंत में जब कॉफी बीन्स को देखा तो उस पानी से बहुत ही अच्छी खुशबु आ रही थी। पिता ने बेटी से पुछा, क्या तुम्हें पता चला इसका मतलब क्या है? फिर पिता ने उसे समझाते हुए कहा, इन तीनो चीजों ने अलग-अलग तरीके से गर्म पानी के साथ प्रतिक्रिया की परन्तु जो मुश्किल उन्होंने झेली वह एक समान थी। फिर उन्होंने अपनी बेटी से कहा, जब विपरीत परिस्थितियां तुम्हारे जीवन में आएंगी, तो तुम क्या बनना चाहोगी आलू, अंडा या कॉफ़ी बीन्स? यह तुम्हें तय करना है।

शख्सियत — निरुपमा राव

भारतीय विदेश सेवा की प्रेरणास्त्रोत

निरुपमा राव, भारतीय विदेश सेवा (IFS) की एक जानी-मानी अधिकारी हैं, जिन्होंने भारतीय कूटनीति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे भारतीय विदेश सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं और भारतीय विदेश नीति को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यात्रा भारतीय कूटनीति के विकास और विस्तार की कहानी है, जो भारतीय विदेश सेवा में उनके योगदान के कारण आज भी सराही जाती है।

निरुपमा राव का जन्म 6 दिसंबर 1950 में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से की और फिर भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने का निर्णय लिया। 1973 में भारतीय विदेश सेवा (IFS) में शामिल होने के बाद, वे कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक पदों पर रहीं। उनकी कार्यशैली में एक स्थिरता और दूरदर्शिता थी, जो उन्हें भारतीय विदेश नीति को विश्व मंच पर प्रस्तुत करने में सक्षम बनाती थी। निरुपमा राव को चीन, थाईलैंड, जर्मनी, और श्रीलंका जैसे देशों में भारतीय दूतावासों में सेवा देने का अवसर मिला। इसके अलावा, वे 2009 से 2011 तक भारत की विदेश सचिव के रूप में कार्यरत रहीं, जहाँ उन्होंने भारत के वैश्विक संबंधों को नई दिशा दी और कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक मुद्दों को सुलझाया। उनके कार्यकाल के दौरान भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई, और उन्होंने भारत की सुरक्षा और आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए।

निरुपमा राव ने महिला कूटनीतिज्ञों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में भारतीय कूटनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिला। वे भारतीय कूटनीतिक मंच पर एक प्रेरणा स्त्रोत बन गईं और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अपने दृष्टिकोण से सभी को प्रभावित किया। उनके कार्यकाल में, भारत ने दक्षिण एशिया, एशिया-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिमी देशों के साथ अपने रिश्तों में मजबूती बनाई, और वे भारतीय विदेश नीति के लिए एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरीं। निरुपमा राव की कूटनीतिक सेवाओं को मान्यता प्राप्त हुई है, और उन्हें कई पुरस्कार भी मिले हैं। वे न केवल कूटनीति के क्षेत्र में एक सफल अधिकारी हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक नेतृत्व के रूप में भी जानी जाती हैं। उनकी कड़ी मेहनत और बुद्धिमत्ता ने उन्हें भारतीय कूटनीति की दुनिया में एक सम्मानजनक स्थान दिलवाया है। आज भी, वे भारतीय विदेश नीति और कूटनीति के क्षेत्र में एक आदर्श बनी हुई हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

उनचास मरुतों का अनोखा ज्ञान

सुंदरकांड पढ़ते हुए 25 वें दोहे पर थोड़ा रुक गया। तुलसीदास ने सुन्दर कांड में जब हनुमान जी ने लंका मे आग लगाई थी, उस प्रसंग पर लिखा है-

हरि प्रेरित तेहि अवसर चले मरुत उनचास।
अट्टहास करि गर्जा कपि बढ़ि लाग अकास।।

अर्थात जब हनुमान जी ने लंका को अग्नि के हवाले कर दिया तो भगवान की प्रेरणा से उन पचास पवन चलने लगे। हनुमान जी अट्टहास करके गर्जे और आकार बढ़ाकर आकाश से जा लगे। मैंने सोचा कि इन उनचास मरुत का क्या अर्थ है। यह तुलसी दास जी ने भी नहीं लिखा। फिर मैंने सुंदरकांड पूरा करने के बाद समय निकालकर 49 प्रकार की वायु के बारे में जानकारी खोजी और अध्ययन करने पर सनातन धर्म पर अत्यंत गर्व हुआ। तुलसीदासजी के वायु ज्ञान पर सुखद आश्चर्य हुआ, जिससे शायद आधुनिक मौसम विज्ञान भी अनभिज्ञ है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि वेदों में वायु की 7 शाखाओं के बारे में विस्तार से वर्णन मिलता है। अधिकतर लोग यही समझते हैं कि वायु तो एक ही प्रकार की होती है, लेकिन उसका रूप बदलता रहता है, जैसे कि ठंडी वायुगर्म वायु और समान वायु लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल, जल के भीतर

जो वायु है उसका वेदपुराणों में अलग नाम दिया गया है और आकाश में स्थित जो वायु है उसका नाम अलग है। अंतरिक्ष में जो वायु है उसका नाम अलग और पाताल में स्थित वायु का नाम अलग हैनाम अलग होने का मतलब यह कि उसका गुण और व्यवहार भी अलग ही होता है। इस तरह वेदों में 7 प्रकार की वायु का वर्णन मिलता है- ये 7 प्रकार हैं 1. प्रवह, 2. आवह, 3.उद्वह, 4. संवह, 5. विवह, 6. परिवह और 7. परावह।

1. प्रवह : पृथ्वी को लांघकर मेघ मंडलपर्यंत जो वायु स्थित है, उसका नाम प्रवह है। इस प्रवह के भी प्रकार हैं। यह वायु अत्यंत शक्तिमान है और वही बादलों को इधर-उधर उड़ाकर ले जाती है। धूप तथा गर्मी से उत्पन्न होने वाले मेघों को यह प्रवह वायु ही समुद्र जल से परिपूर्ण करती है, जिससे ये मेघ काली घटा के रूप में परिणत हो जाते हैं और अतिशय वर्षा करने वाले होते हैं।

2. आवह : आवह सूर्यमंडल में बंधी हुई है। उसी के द्वारा ध्रुव से आबद्ध होकर सूर्यमंडल घुमाया जाता है।

3. उद्वह : वायु की तीसरी शाखा का नाम उद्वह है, जो चन्द्रलोक में प्रतिष्ठित है। इसी के द्वारा ध्रुव से संबद्ध होकर यह चन्द्र मंडल घुमाया जाता है।

4. संवह : वायु की चौथी शाखा का नाम संवह है, जो नक्षत्र मंडल में स्थित है। उसी से ध्रुव से आबद्ध होकर संपूर्ण नक्षत्र मंडल घूमता रहता है।

5. विवह : पांचवीं शाखा का नाम विवह है और यह ग्रह मंडल में स्थित है। उसके ही द्वारा यह ग्रह चक्र ध्रुव से संबद्ध होकर घूमता रहता है।

6. परिवह : वायु की छठी शाखा का नाम परिवह है, जो सप्तर्षिमंडल में स्थित है। इसी के द्वारा ध्रुव से संबद्ध हो सप्तर्षि आकाश में भ्रमण करते हैं।

7. परावह : वायु के सातवें स्कंध का नाम परावह है, जो ध्रुव में आबद्ध है। इसी के द्वारा ध्रुव चक्र तथा अन्यान्य मंडल एक स्थान पर स्थापित रहते हैं।

इन सातो वायु के सात सात गण हैं जो निम्न जगह में विचरण करते हैं। ब्रह्मलोक, इंद्रलोक, अंतरिक्ष, भूलोंककी पूर्व दिशा, भूलोक की पश्चिम दिशा भूलोक की उत्तर दिशा और भूलोक कि दक्षिण दिशा इस तरह 7 ×7=49 कुल 49 मरुत हो जाते हैं जो देव रूप में विचरण करते रहते हैं। है ना अद्भुत ज्ञान हम अक्सर रामायण भगवद् गीता पढ़ तो लेते हैं परंतु उनमें लिखी छोटी-छोटी बातों का गहन अध्ययन करने पर अनेक गूढ़ एवं ज्ञानवर्धक बातें ज्ञात होती हैं। श्री राम जय राम जय जय राम संकट मोचन श्री हनुमान।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

खबर संक्षेप

गुमला में देर रात भीषण सड़क हादसा

गुमला। गुमला के बसिया थाना क्षेत्र के बसिया मोड़ में भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना बुधवार की रात दो बजे हुई जब ये लोग कार से शादी समारोह अटेंड कर वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि खड़ी बीड़ी पत्ता गाड़ी को पीछे से कार ने टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सभी मृतक पिस्का मोड़ हेशल देवी मंडप रोड का रहने वाला है। मृतकों में प्रवीण कुमार, रतन घोष और पवन साहू हैं। जबकि विश्वजीत घोष और असीम घोष गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के बाद रांची और सिमडेगा में मातम है।

जानकारी के मुताबिक सभी लोग कार में सवार होकर रांची से सिमडेगा गए थे। शादी समारोह में सम्मलित होकर सभी पांच लोग जब वापस रांची आ रहे थे तभी कार ने बसिया के पास खड़ी एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर की तिव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। अस्पताल में इलाज चल रहा है। इधर गुरुवार की सुबह सभी मृतकों को बसिया से गुमला सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए लाया जा रहा है।

24 घंटे में डबल मर्डर से मधुबनी में दहशत

मधुबनी। मधुबनी के खजौली इलाके में बेखौफ अपराधियों ने पिछले 24 घंटे में दो लोगों की हत्या कर दी। इस इलाके में अपराधियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। बुधवार को अपराधियों ने एक स्कूली छात्र अंशु कुमार की गोली मार हत्या कर दी और गुरुवार सुबह छपराढ़ी गांव निवासी अमरेश कुमार की सरेआम गोली मार हत्या कर दी गई। इन दोनों घटनाओं से इलाके में सनसनी मच गई है। लोगों में दहशत का माहौल है। खजौली इलाके में अपराध की बढती घटनाओं ने प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। स्कूली छात्र अंशु (13) की हत्या के बाद पुलिस ने बताया था कि अपराधी शत्रुघ्न नाम के व्यक्ति को मारने आया था। लेकिन गलतफहमी में उसने स्कूली छात्र को गोली मार दी। पुलिस इस मामले की तफ्तीश कर रही है। जल्द इस घटना के बारे में सबकुछ सार्वजनिक किया जाएगा। फिलहाल इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। बाहर से आने वाले लोगों का आईडी चेक किया जा रहा है। वाहनों की भी चेकिंग की जा रही है। गुरुवार की सुबह खजौली थाना क्षेत्र के दतुआर लक्ष्मीपुर गांव के समीप बेखौफ बदमाशों ने अमरेश कुमार यादव(28) को गर्दन में गोली मार हत्या कर दी।

झारखंड में कैबिनेट विस्तार

- हेमंत सोरेन की टीम-11 में 6 नए चेहरे
- 2 महिला को भी मिली जगह

एजेंसी । रांची

झारखंड में कैबिनेट विस्तार हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कैबिनेट के 11 सदस्यों ने गुरुवार (5 दिसंबर) को शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने राजभवन के अशोक उद्यान में प्रोटेम स्पीकर (कार्यकारी अध्यक्ष) और हेमंत सोरेन कैबिनेट के 11 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हेमंत सोरेन की कैबिनेट में 6 नए चेहरों को शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल में 2 महिला को भी शामिल किया गया है। दोनों कांग्रेस के कोटे से हैं। शिल्पी नेहा तिर्की पहली बार मंत्री बनीं हैं। दीपिका पांडेय सिंह को पिछली बार हुए कैबिनेट विस्तार में हेमंत सोरेन की कैबिनेट में जगह मिली थी। एक बार फिर उन्हें मंत्री बनाया गया है।

हफीजुल ने अल्लाह के नाम पर ली शपथ, बाकी ने ईश्वर के नाम पर

सबसे पहले राधाकृष्ण किशोर और सबसे अंत में शिल्पी नेहा तिर्की को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। हफीजुल हसन अंसारी को छोड़ सभी मंत्रियों ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। मधुपुर के विधायक हफीजुल अंसारी ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली।

सबसे पहले प्रो स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया

सबसे पहले षष्ठम झारखंड विधानसभा के लिए प्रो स्टीफन मरांडी को राज्यपाल संतोष गंगवार ने विधानसभा के अध्यक्ष के चयन तक सदन का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। इसका आदेश मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल ने प्रो स्टीफन मरांडी को शपथ दिलाई।

हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने नए मंत्रियों का किया अभिवादन

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए 2 नंबर गेट से 12:45 बजे सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन के साथ राजभवन के अशोक उद्यान पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने विधायकों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। मंत्रिपरिषद में शामिल विधायकों से मिले। कल्पना सोरेन ने भी सबका हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसके बाद कल्पना सोरेन पहली पंक्ति में हेमंत सोरेन की बगल वाली सीट पर बैठ गयीं। मुख्यमंत्री के आने के 4 मिनट बाद 12:49 बजे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शपथ ग्रहण समारोह स्थल पहुंचे। सबसे पहले राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद राज्यपाल के आदेश से मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह शुरू हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में सत्तारूढ़ गठबंधन के सभी दलों के नेता शामिल हुए।

केमिकल वाला मिलावटी दूध और पनीर

- केमिकल से तैयार किया जा रहा था पनीर, फैक्टरी पर पड़ा छापा

खुर्जा। यूपी के खुर्जा क्षेत्र के गांव अगोरा अमीरपुर में एक फैक्टरी में केमिकल से पनीर तैयार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापे मारकर नकली पनीर बनाए जाने का गोरखधंधे का खुलासा किया। मौके से 20 टीन रिफाइंड, पामोलिन तेल और केमिकल युक्त पनीर बरामद किया है।

मौके पर मिला फैक्टरी मालिक

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड द्वितीय वीके सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर बुधवार की रात में टीम ने खुर्जा के गांव अगौरा अमीरपुर में पनीर बनाने की फैक्टरी पर छापेमारी की। पनीर फैक्टरी का मालिक निवासी मौके पर मौजूद मिला। मौके पर लगभग 25 किलोग्राम बरामद किया। पनीर बनाने में प्रयोग किए जाने वाले स्किम्ड मिल्क पाउडर के 10 बैग भी बरामद किए गए। प्रत्येक बैग में 25 किलो ग्राम पाउटर था। वहीं रिफाइंड, पामोलिन तेल के 15 लीटर के 20 टीन, तैयार सफेद तरल केमिकल पेस्ट मिला। जिन्हे मिलाकर पनीर बनाने की तैयारी चल रही थी। दूध खरीद से संबंधित कोई साक्ष्य फैक्टरी मालिक ने नहीं दिखाए।

बेड पर मिली खून से लथपथ लाश

आजमगढ़। आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र के पुलसराय गांव में गुरुवार की सुबह एक युवक का उसी के बिस्तर में रक्त रंजित शव मिला। सूचना मिलते ही पवई थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल में जुट गई। पुलसराय गांव निवासी रमाशंकर यादव (48) पुत्र स्व. वंशराज की गांव में ही किराने की दुकान थी। वह दुकान पर ही सोया करते थे। बुधवार को वह निमंत्रण में गए थे। निमंत्रण से आने के बाद वह रोज की तरह दुकान पर सो गए। वैसे तो उनकी दुकान प्रतिदिन सुबह छह बजे तक खुल जाती थी। लेकिन, गुरुवार की सुबह जब दुकान नहीं खुली तो उनके बेटे उन्हें जगाने के लिए पहुंचे। जब बिस्तर पर रखी रजाई को हटाया तो अंदर उनका रक्त रंजित शव पड़ा हुआ था।

16 दिसंबर से यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र

- जमकर हंगामा होने के आसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। राज भवन की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की हवाले से प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार 16 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे से विधानसभा का सत्र शुरू होगा। इसके साथ ही विधान परिषद का भी सत्र शुरू होगा।

संभल का दंगा अहम मुद्दा

शीतकालीन सत्र में मुख्य रूप से संभल का दंगा अहम मुद्दा रहेगा। जिस पर जमकर हंगामा होने की आशंका है। इस सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक और अध्यादेश जारी किए जा सकते हैं। राज्यपाल की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, भारत का संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड एक द्वारा प्रसिद्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा को सोमवार दिनांक 16 दिसंबर को 11:00 बजे से विधानसभा मंडप विधान भवन में शीतकालीन सत्र बुलाया जा रहा है।

टीम की गाड़ी पर पथराव, अफसरों से अभद्रता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में केंद्रीय जीएसटी की टीम ने राना स्टील पर छापा मारा। फैक्टरी से दस्तावेज लेकर भाग रहे पूर्व सांसद कादिर राना के बेटे को टीम ने मौके पर ही दबोच लिया। इसी दौरान फैक्टरी में मौजूद लोगों ने छुड़ाने की कोशिश की। इस दौरान टीम के सदस्यों के साथ फैक्टरी में मौजूद कर्मचारियों की नोकझोंक भी हुई। भारी पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल सर्वे का कार्य जारी है। जीएसटी टीम की गाड़ी पर पथराव की सूचना पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। जीएसटी टीम की तहरीर के आधार पर पूर्व विधायक शाहनवाज राना और परिवार की दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया है। उधर, कादिर राना के बेटे शाह मोहम्मद से भी पूछताछ की जा रही है।

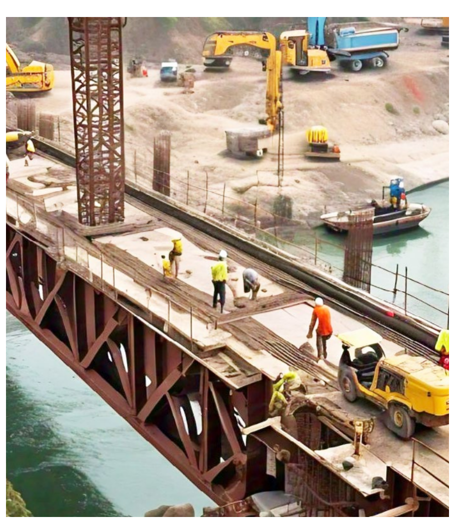

मोदी सरकार ने बिहार को दिया एक और तोहफा

बगहा और यूपी के बीच गंडक नदी पर बनेगा पुल

पश्चिम चंपारण। बिहार के पश्चिम चंपारण जिला के बगहा को सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के बेलवनिया के बीच गंडक नदी पर नया पुल बनाया जाएगा. यह जानकारी वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने दी. सुनील कुमार द्वारा लोकसभा में किये गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पुल बनाने की बात कही. सांसद सुनील कुमार ने अपने क्षेत्र के विकास के साथ गंडक नदी पर पुल निर्माण का मुद्दा उठाया. अपने सवाल में सांसद ने मंत्री से यह जानना चाहा कि क्या बगहा और पिपरासी की 55 किलोमीटर की दूरी कम करने के लिए बगहा और जटहा के बीच गंडक नदी पर पुल बनाने की कोई योजना है. इसका वास्तविक लोकेशन क्या है. और इसे उत्तर प्रदेश में एनएच 727 से कहां जोड़ा जाएगा? इसके जल्द निर्माण के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गयी है?

नितिन गडकरी ने जवाब में क्या कहा ?

सांसद सुनील कुमार के प्रश्न के जवाब में सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि वाल्मीकिनगर वन्य जीव अभ्यारण्य और टाइगर रिजर्व प्रोजेक्ट सीमा क्षेत्र के समीप एनएच 727 के 95वें किलोमीटर पर एसएसबी कैंप अवसानी के पास से उत्तर प्रदेश सीमा तक नए टू लेन संरेखन के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु एक परामर्शी फर्म को नियुक्त किया गया है।

राज्य सरकार के परामर्श से 19 किलोमीटर संरेखन को पहले ही मंजूरी दी गयी है जिसमें बगहा और बेलवनिया को जोड़ने वाला गंडक नदी पर एक नया पुल शामिल है।

व्यापार जगत

स्विगी के शेयर में 4.18% की तेजी रही

- लिस्टिंग के बाद 18% से ज्यादा चढ़ा शेयर
- दूसरी तिमाही में कम हुआ कंपनी का घाटा

मुंबई। ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कामर्स कंपनी स्विगी लिमिटेड के शेयर में आज 10% से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। हालांकि, बाद में इसमें थोड़ा गिरावट देखने को मिली और दिनभर के कारोबार के बाद यह 4.18% की तेजी के साथ 539.45 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले बीते दिन बुधवार को शेयर 3.04% की तेजी के साथ 517.10 रुपए पर बंद हुआ था।

दूसरी तिमाही में स्विगी का घाटा 4.72% कम हुआ

दरअसल, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में स्विगी का घाटा 4.72% कम हुआ है। कंपनी ने 2 दिन पहले 3 दिसंबर को Q2FY25 के नतीजे जारी किए थे। जुलाई-सितंबर तिमाही में स्विगी को 626 करोड़ रुपए का नुकसान (कॉन्सोलिडेटेड नेट लॉस) हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 657 करोड़ रुपए का लॉस हुआ था।

रेवेन्यू 30.33% बढ़कर 3601 करोड़ रुपए रहा

इसके साथ ही दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 30.33% बढ़कर 3601 करोड़ रुपए रहा। जुलाई-सितंबर 2023-24 में कंपनी ने 2763 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से होने वाली कमाई को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। स्विगी 13 नवंबर को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी, तब से अब तक इसके शेयर में 18% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

वित्त वर्ष 2024 में स्विगी का रेवेन्यू 36% बढ़ा था

वित्त वर्ष 2024 में स्विगी की फाइनेंशियल कंडीशन में भी सुधार हुआ था। FY2024 में स्विगी का रेवेन्यू 36% बढ़कर 11,247 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले वित्त वर्ष में 8,265 करोड़ रुपए था। वहीं कंपनी ने इस दौरान अपने घाटे को भी 44% तक कम कर लिया और वित्त वर्ष 2024 में यह 2,350 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले साल 4,179 करोड़ रुपए था। कंपनी को अपनी लागत को काबू में रखने के चलते घाटा कम करने में मदद मिली है। हालांकि, स्विगी का प्रदर्शन जोमैटो की तुलना में कम है, फिर भी उसने FY24 में अपने प्रतिद्वंद्वी से अंतर को कम किया है। जोमैटो ने वित्त वर्ष 2024 में 12,114 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया, जबकि स्विगी का रेवेन्यू 11,247 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह, जोमैटो ने 351 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि स्विगी का घाटा 2,350 करोड़ रुपए रहा था।

पीएफ खाते को 15 दिसंबर तक आधार से जोड़ें

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने निजी क्षेत्र के नए कर्मचारियों के लिए यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को सक्रिय करने की समयसीमा बढ़ा दी है। इसके लिए उन्हें अब अपने यूएएन और बैंक खाते को 15 दिसंबर तक आधार से लिंक करना होगा। पहले इसकी अंतिम तिथि 30 नवंबर थी लेकिन काफी संख्या में कर्मचारी इससे चूक गए थे।

ईपीएफओ ने इन्हें एक और मौका दिया है। ईपीएफओ का कहना है कि यूएएन सक्रिय होने से कर्मचारी रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना का लाभ उठा पाएंगे। संगठन ने नियोक्ताओं को निर्देश दिया है कि वे तय समयसीमा के भीतर सभी नए कर्मचारियों का यूएएन और बैंक खाता अपडेट करें। योजना का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) तभी संभव हो सकता है, जब यूएएन नंबर से आधार और बैंक

खाता पूरे विवरण के साथ दर्ज हो। अभी सिर्फ चालू वित्त वर्ष में नौकरी में आए कर्मचारियों से जानकारी अपडेट कराई जा रही है। अगले चरण में पुराने कर्मचारियों को भी अपना ब्योरा अपडेट करना होगा। नई व्यवस्था के जरिए आसानी से लॉगइन हो सकेगा। साथ ही पीएफ पासबुक देखने और डाउनलोड करने, निकासी, अग्रिम व स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन दावे जमा करने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत विवरण अपडेट करने और दावों को ट्रैक करने में भी आसानी होगी। इससे कर्मचारियों की ईपीएफओ कार्यालयों की दौड़भाग नहीं करनी होगी।

बिटकॉइन एक लाख डॉलर के पार

न्यूयॉर्क। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पहली बार 1 लाख डॉलर के पार निकल गई है। आज यानी 5 दिसंबर को बिटकॉइन 7% से ज्यादा बढ़कर रिकॉर्ड उच्च स्तर 102,585 डॉलर (86.91 लाख रुपए) पर पहुंच गया है। पिछले महीने डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिकी चुनाव जीत के बाद बिटकॉइन में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। बीते 1 साल में साल बिटकॉइन के प्राइस में 118% की बढ़ोतरी देखी गई है। एक साल पहले यानी 6 दिसंबर 2023 को ये 43,494 डॉलर (36.85 लाख रुपए) पर था, जो अब 102,585 डॉलर (86.91 लाख रुपए) पर पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में भी बिटकॉइन

की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। भारत में क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली कमाई पर 30% टैक्स देना होगा। इसके अलावा क्रिप्टोकरेंसी से ट्रांजैक्शन करने पर 1% का TDS भी लगेगा। वहीं किसी को क्रिप्टोकरेंसी गिफ्ट करने पर भी 30% टैक्स चुकाना होता है।

शेयर बाजार में रौनक, सेंसेक्स 809 अंक बढ़ा

- आईटी शेयरों में जबरदस्त तेजी

मुंबई। ग्लोबल मार्केट से मिले मजबूत रुझानों और विदेशी फंड फ्लो के बीच चौतरफा खरीदारी से गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी का सिलसिला जारी रहा। आईटी कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी करीब 1 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि दोपहर में शेयर बाजार में थोड़े समय के लिए गिरावट आई थी। 30 शेयरों वाला, बीएसई सेंसेक्स आज 226.41 अंक की बढ़त पर खुला। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 82,317.74 की ऊंचाई पर पहुंच गया था। दिन के दौरान यह इंडेक्स 80,467.37 के निचला स्तर पर भी आया। हालांकि कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 809.53 अंक या 1.00 प्रतिशत की शानदार बढ़त लेकर 81,765.86 बंद हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 50 240.95 अंक या 0.98 प्रतिशत मजबूत होकर 24,708.40 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,295.55 और 24,857.75 के रेंज में कारोबार हुआ।

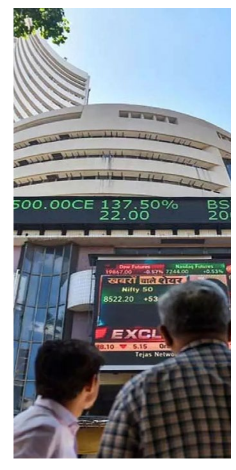

सेंसेक्स के टॉप गेनर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। TCS, इंफोसिस, टाइटन, भारती एयरटेल और बजाज फाइनैंस सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। इसके अलावा, ICICI बैंक, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, HCL टेक, HUL, पावर ग्रिड, M&M, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, रिलायंस, टाटा स्टील, L&T, एक्सिस बैंक, SBI, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, मारुति, JSW स्टील, नेस्ले इंडिया, HDFC बैंक और ITC के शेयर भी लाभ में रहे।

सेंसेक्स के टॉप लूजर्स

वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 3 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। NTPC में 0.98, एशियन पेंट्स में 0.30 और इंडसइंड बैंक में 0.10 प्रतिशत की गिरावट आई। भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा हरियाली देखी गई। निफ्टी 50 के 41 शेयर बढ़त लेकर बंद हुए। केवल 9 शेयरों में गिरावट आई। आईटी शेयरों ने बाजार में धमाल मचाया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जिसमें टीसीएस, इंफोसिस और एलटीआईमाइंडट्री ने प्रमुख योगदान दिया। इस इंडेक्स ने इंट्राडे ट्रेड के दौरान 45,027.95 का नया 52-सप्ताह उच्चतम स्तर भी छुआ।

मेगान के कहर से भारतीय महिला टीम हारी

- 19 रन पर पांच विकेट लिए मेगान शुट्ट ने
- 46 रन जॉर्जिया वोल ने 42 गेंदों पर बनाए

एजेंसी । ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले वनडे क्रिकेट मैच में मेगान शुट्ट की शानदार गेंदबाजी (19 रन, पांच विकेट) के सामने भारत महिला क्रिकेट टीम धराशायी हो गई। इससे मेजबान टीम ने शुक्रवार को 202 गेंद रहते हुए पांच विकेट से शानदार जीत दर्ज की। भारतीय टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में 100 रन पर आउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। दूसरा मुकाबला रविवार को एलन बॉर्डर फील्ड में खेला जाएगा।

भारत को शुरू से लगे झटके

इससे पहले टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नौ रन पर पहला विकेट गिरने के बाद नियमित अंतराल पर बल्लेबाज लौटतीं रहीं। भारत की तरफ से पांचवें नंबर पर उतरीं जेमिमा रोड्रिग्स ने 42 गेंदों में 23 रन बनाए। एक समय भारत का स्कोर तीन विकेट पर 62 रन था लेकिन फिर पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। जेमिमा और कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) के अलावा हरलीन देओल (19) और रिचा घोष (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाई।

जॉर्जिया की जानदार पारी

मेजबान को लक्ष्य हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। पदार्पण कर रहीं सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (42 गेंद, नाबाद 46) ने आसान जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपनी पारी के दौरान रेणुका सिंह पर काउ कॉर्नर क्षेत्र में दर्शनीय छक्का भी लगाया था। उन्होंने सलामी जोड़ीदार फोएबे लीचफील्ड (29 गेंद, 35 रन) संग पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़ ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई टीम भी बीच में थोड़ी देर के लिए लड़खड़ा गई था, जब तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (तीन विकेट) ने एक ओवर में दो विकेट ले लिए।

बुमराह महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के दावेदार

एजेंसी । दुबई

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हुए भारत को 295 रन से बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नवंबर माह के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित किया गया है। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन और पाकिस्तान के हारिस रऊफ के साथ नामांकित किया गया है। बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर पांच और दूसरी पारी में 42 रन देकर तीन विकेट लिए थे। भारत ने यह मैच जीतकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। महिलाओं के वर्ग में महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए बांग्लादेश की शर्मिन अख्तर, दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लार्क और इंग्लैंड की डैनी व्याट-हॉज दावेदारों में शामिल हैं।

जय शाह ने क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने का लिया संकल्प

- आईसीसी के नवनियुक्त चेयरमैन शाह ने पहली बार मुख्यालय का दौरा किया
- आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा ने शाह के 'विजन की सराहना की

एजेंसी । दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त चेयरमैन जय शाह ने क्रिकेट को 'अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया है। उन्होंने खेल की वैश्विक संचालन संस्था के प्रमुख के तौर पर गुरुवार को इसके मुख्यालय का पहली बार दौरा किया।

कड़ी मेहनत शुरू

उसके बाद आईसीसी की विज्ञप्ति में शाह ने कहा, मैंने जो देखा, उससे उत्साहित हूं लेकिन मैं मानता हूं कि यह तो बस शुरुआत है। क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कड़ी मेहनत अब शुरू हो गई है और मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करेंगे। अगस्त में निर्विरोध चुने गए 36 वर्षीय शाह आईसीसी चेयरमैन बनने वाले सबसे युवा और पांचवें भारतीय हैं। उनका कार्यकाल एक दिसंबर से शुरू हुआ। शाह ने ग्रेग बार्कले का स्थान लिया जो 2020 से आईसीसी के चेयरमैन का पद संभाल रहे थे। शाह ने चेयरमैन के तौर पर पहली बार दुबई में आईसीसी मुख्यालय का दौरा किया और इसे प्रेरणादायक बताया।

सहयोग पर जोर दिया

आईसीसी बोर्ड के निदेशकों और कर्मचारियों के साथ बैठक के बाद शाह ने क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इस यात्रा ने आईसीसी बोर्ड में मेरे सहयोगियों से जुड़ने का एक बहुमूल्य अवसर प्रदान किया जहां हमने इस अविश्वसनीय खेल के भविष्य को आकार देने के लिए शुरुआती खाके और रणनीतियों पर चर्चा की। क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम करने वाली समर्पित आईसीसी टीम से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा ने खेल के लिए शाह के महत्वाकांक्षी 'विजन की सराहना की। ख्वाजा ने कहा, बोर्ड की ओर से मैं जय शाह का इस पद पर स्वागत करना चाहता हूं। शाह की महत्वाकांक्षा और अनुभव आईसीसी और खेल का भविष्य में मार्गदर्शन करने में सहायक होंगे।

आयरलैंड की महिला टीम ने बांग्लादेश को 12 रन से हराया

एजेंसी । सिलहट

कप्तान गैबी लुईस (60), ली पॉल (नाबाद 79) की शानदार पारियों के बाद ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से आयरलैंड की महिला टीम ने गुरुवार को पहले टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को 12 रनों से हरा दिया।

शतकीय साझेदारी

आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में पांच विकेट पर 169 रन बनाए। पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ही ओवर में जहांआरा आलम ने एमी हंटर (10) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान गैबी लुईस और ली पॉल के बीच तीसरे विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी हुई। फरीह तृस्ना ने गैबी लुईस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। गैबी लुईस ने 42 गेंदों में 60 रन बनाए। ली पॉल ने 42 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 79) रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से जहांआरा आलम, फरीह तृस्ना, जन्नतउल फरदूस और नाहिदा अख्तर ने एक-एक विकेट लिया।

शानदार शुरुआत

बांग्लादेश के लिए दिलारा अख्तर और शोभना मोस्तारी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 103 रन जोड़े। 12वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने शोभना मोस्तारी (46) को आउट कर आयरलैंड को पहली सफलता दिलाई। 14वें ओवर मे आर्लीन केली ने कप्तान निगार सुल्ताना (चार) को शिकार बनाया। इसी ओवर में केली ने दिलारा अख्तर (49) को भी आउट कर दिया। एमी मग्वायर की गेंद पर एमी हंटर ने ताज नेहर (19) को स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। 17 ओवर में बांग्लादेश के पांच विकेट पर 152 रन थे, लेकिन आयरलैंड के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को नर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 157 के स्कोर पर रोक कर मुकाबला 12 रनों से जीत लिया। आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने तीन-तीन विकेट लिए। एमी मग्वायर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूजीलैंड, इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए टीमें घोषित कीं

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम ने गुरुवार को कहा, हमने जिस संतुलन के साथ मैदान में उतरे हैं, वह इस विकेट के लिए सही है और हमारे पास शीर्ष सात में कुछ स्पिन विकल्प भी हैं। हमें लगता है कि यह सही एकादश है और खिलाड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं। पिछले 47 टेस्ट मैचों में यह तीसरी बार है जब न्यूजीलैंड ने बिना किसी बदलाव के टेस्ट एकादश का चयन किया है। इंग्लैंड ने भी बिना किसी बदलाव के पिछली टीम को उतराने का फैसला किया है।

न्यूजीलैंड एकादश : टॉम लेथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियम्सन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, टिम साउथी, मैट हेनरी और विलियम ओ रुर्के।

इंग्लैंड एकादश : जैक क्रॉउली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रुक, ओली पोप (विकेट कीपर), बेन स्टोक्स (कप्तान), क्रिस वोक्स और गस एटकिंसन।

भारतीय जूनियर हॉकी खिलाड़ियों की नजरें विश्व कप पर

एजेंसी । बेंगलुरु

जूनियर एशिया कप के दौरान कुछ कड़े मुकाबलों का सामना करने के बावजूद खिताबी हैट्रिक लगाने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजर अब अगले साल घर में होने वाले पुरुष विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। भारतीय टीम मस्कट के ओमान से गुरुवार को यहां लौटी। टीम ने बुधवार को रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराया। इससे पहले टीम ने मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में सुल्तान जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था। उप कप्तान रोहित ने कहा, यह हम सभी के लिए बेहद गर्व का क्षण है और अब हम चेन्नई में होने वाले जूनियर विश्व कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस शानदार जीत में प्रत्येक खिलाड़ी ने योगदान दिया और हमारा सामूहिक प्रयास बेहद प्रेरणादायक रहा है।

शानदार प्रदर्शन

टीम ने ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए 38 गोल दागे और उसके खिलाफ सिर्फ तीन गोल हुए। सेमीफाइनल में भारत ने मलेशिया को 3-1 से हराया जबकि फाइनल में अराइजीत सिंह हुंडल चार गोल करके कुल 10 गोल के साथ टूर्नामेंट के दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। कप्तान आमिर अली ने भी टीम के दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा, एशिया कप में हमारा सफर असाधारण रहा। हर मैच ने चुनौतियां पेश कीं लेकिन हमारी टीम को दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत का फल मिला।

सीआईएसएफ ने युनाइटेड भारत को 4-1 से हराया

एजेंसी । नई दिल्ली

डीएसए प्रीमियर लीग में गुरुवार यहां अम्बेडकर स्टेडियम में सीआईएसएफ प्रोन्टैक्टर ने युनाइटेड भारत फुटबॉल क्लब को 4-1 से हरा कर अंकतालिका में मजबूत बढ़त ले ली। सीआईएसएफ की ओर से 'प्लेयर ऑफ द मैच मोहम्मद इमरान ने 18वें और 81वें मिनट में दो गोल दागे। दो अन्य गोल प्रताप और साहिल कुमार ने बांटे। युनाइटेड भारत को सांत्वना गोल विजेता टीम के मुनीश की आत्मघाती कोशिश पर मिला। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंची सीआईएसएफ का खेल पर शुरू से ही दबदबा रहा। इमरान, प्रताप और साहिल ने कई अच्छे मौके गंवाए वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था। युनाइटेड भारत के खिलाड़ी पूरी रंगत में नजर नहीं आए। तालमेल की कमी से उसे एक और हार झेलनी पड़ी।

'पुष्पा 2: द रूल' का आएगा तीसरा भाग

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2 : द रूल' आखिरकार लंबे इंतजार के बाद आज यानी 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। अल्लू के प्रशंसक पहले दिन का पहला शो देखने के लिए बड़ी संख्या में सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। हर किसी का उत्साह देखने लायक है। अब 'पुष्पा 2' के तीसरे भाग से जुड़ी अहम जानकारी सामने आ रही है।

नाम रखा 'पुष्पा 3 : द रैम्पेज'

दरअसल, निर्माताओं ने 'पुष्पा 2: द रूल' के अंत में फिल्म की तीसरी किस्त का ऐलान कर दिया है। फिल्म के तीसरे भाग का नाम 'पुष्पा 3: द रैम्पेज' है और इसकी कहानी वहीं से शुरू होगी जहां दूसरे भाग का अंत हुआ है। इसके अलावा हाल ही में फिल्म के डायलॉग राइटर श्रीकांत विसा ने बताया था फिल्म 'पुष्पा 3: द रैम्पेज' बन रही है। इस फिल्म में किसी बड़े बॉलीवुड अभिनेता की एंट्री हो सकती है।

इन भाषाओं में देखें फिल्म

'पुष्पाः द रूल' के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। अल्लू और रश्मिका के अलावा दिग्गज अभिनेता फहद फासिल ने भी इस फिल्म ने अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। बता दें कि 'पुष्पाः द रूल' को आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और कन्नड़ भाषाओं में देख सकते हैं। यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज हुई है।

राम पोथिनेनी की नई फिल्म

मैत्री मूवी मेकर्स वर्तमान में तेलुगु सिनेमा के सबसे लोकप्रिय प्रोडक्शन हाउस में से एक है। अपनी पाइपलाइन में बैक-टू-बैक फिल्मों के साथ प्रोडक्शन हाउस पूरे जोश से काम कर रहा है। उनकी नई रिलीज फिल्म 'पुष्पा 2' को हर जगह ब्लॉकबस्टर समीक्षाएं मिली हैं। अब पुष्पा 2 के अलावा मैत्री मूवी मेकर्स ने स्टार हीरो राम पोथिनेनी को एक रोमांचक नए प्रोजेक्ट के लिए साइन किया है।

फिल्म में नजर आएंगी ये अभिनेत्री

साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' के निर्देशक महेश बाबू पी राम पोथिनेनी की इस नई फिल्म को बड़े पैमाने पर निर्देशित करेंगे। इस प्रोजेक्ट की आज आधिकारिक घोषणा की गई और बताया गया कि फिल्म की पहली झलक 6 दिसंबर, 2024 को विशेष रूप से सामने आने वाली है। रवि तेजा की फिल्म 'मिस्टर बच्चन' से डेब्यू करने वाली भाग्यश्री बोरसे इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का शीर्षक भी आज ही घोषित किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माताओं ने राम पोथिनेनी की इस फिल्म के लिए एक अनोखा और मजेदार शीर्षक तय कर लिया है। लगातार फ्लॉप फिल्मों से जूझ रहे राम पोथिनेनी को एक हिट की सख्त जरूरत है। हालात बदलने के लिए उन्होंने एक युवा निर्देशक के साथ मिलकर काम किया है।

'रामायण' में लक्ष्मण का किरदार निभाएंगे रवि दुबे

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' ऐलान के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। इसे लेकर आए दिन जानकारी सामने आती रहती है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम तो साई पल्लवी माता सीता की भूमिका निभा रही हैं, वहीं लक्ष्णण की भूमिका के लिए काफी समय से रवि दुबे का नाम चर्चा में है।

अब अभिनेता ने इस खबर पर मुहर लगा दी है कि वह फिल्म की स्टारकास्ट में शामिल हो गए हैं। रवि ने कहा, ' फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभा रहा हूं। आखिरकार मुझे इसका खुलासा करने के लिए निर्माताओं से अनुमति मिल गई है। मैंने इतने समय तक इस बारे में बात नहीं की क्योंकि मैं गैर-जिम्मेदाराना बयान नहीं देना चाहता था। लक्ष्मण का किरदार निभाना एक सम्मान और जिम्मेदारी है। अपने भाई राम के प्रति उनकी भक्ति की मैं गहराई से प्रशंसा करता हूं।' 'रामायण' का पहला दिवाली, 2026 में रिलीज किया जाएगा, वहीं फिल्म का दूसरा भाग ठीक एक बाद यानी 2027 में दिवाली के मौके पर ही दर्शकों के बीच आएगा। इस फिल्म से कई सितारो का नाम जुड़ा है। 'KGF' स्टार यश इससे बतौर सह-निर्माता जुड़े हैं, वहीं वह इसमें रावण की भूमिका भी निभाने वाले हैं। सनी देओल फिल्म में भगवान हनुमान का किरदार निभाएंगे तो साउथ के स्टार विजय सेतुपति फिल्म में विभीषण की भूमिका में दिखेंगे।

देशांतर कहानी

पुर्जा

ऑगस्ट स्ट्रिंडबर्ग

सामान की आखिरी खेप जा चुकी थी। किराएदार, क्रेपबैंड हैटवाला जवान आदमी, खाली कमरों में अंतिम बार पक्का करने के लिए घूमता है कि कहीं पीछे कुछ छूट तो नहीं गया। कुछ नहीं भूला, कुछ भी नहीं। वह बाहर सामने हॉल में गया। पक्का निश्चय करते हुए कि इन कमरों में जो कुछ भी उसके साथ हुआ वह उसे कभी याद नहीं करेगा। और अचानक उसकी नजर कागज के अधपन्ने पर पड़ी, जो पता नहीं कैसे दीवाल और टेलीफोन के बीच फँसा रह गया था। कागज पर लिखावट थी। जाहिर है एक से ज्यादा लोगों की। कुछ प्रविष्टियाँ पेन और स्याही से बड़ी स्पष्ट थीं, जबकि बाकी दूसरी लेड पेंसिल से घसीटी हुई। यहाँ-वहाँ लाल पेंसिल का भी प्रयोग हुआ था। दो साल में उसके साथ इस घर में जो कुछ भी हुआ था, यह उन सबका रिकॉर्ड था। सारी चीजें, जिन्हें भूल जाने का उसने मन बनाया था, लिखी हुई थीं। कागज के एक पुर्जे पर यह एक मनुष्य के जीवन का एक कतरा था।

उसने उस पेपर को निकाला; यह स्क्रिबलिंग पेपर का एक टुकड़ा था। पीला और सूरज की तरह चमकता हुआ। उसने उसे ड्राइंग रूम के कार्निश पर रख दिया और उस पर आँखें गड़ा दीं। लिस्ट के शीर्ष पर एक औरत का नाम था : 'एलिस'। संसार में सबसे सुंदर नाम, जैसा उसे तब लगा था। क्योंकि यह उसकी मँगेतर का नाम था। नाम के बाद एक नंबर था : '1511'। लगता है यह बाइबिल के एक स्त्रोत का नंबर था, स्त्रोत बोर्ड पर। उसके नीचे लिखा था, 'बैंक'। जहाँ उसका काम था, उसका पवित्र काम - जिसके द्वारा ही उसका मकान, उसकी रोटी और पत्नी, सब - उसके जीवन का आधार। परंतु शब्द पेन से कटा था। क्योंकि बैंक फेल हो गया था। हालाँकि उसने बाद में दूसरा काम पा लिया था। परंतु दुश्चिंता और बेचैनी के एक छोटे-से अंतराल के बाद।

अगली प्रविष्टि थीः 'फूलों की दुकान और घोड़ों आदि का खर्च'।

ये उसकी सगाई से संबंधित थे। जब उसकी जेबों में भरपूर पैसे थे।

तब आया, 'फर्नीचर डीलर और पेपर हैंगर'। उसका घर सजाया जा रहा था। 'फॉरवर्डिंग एजेंट' - वे प्रवेश कर रहे थे। 'ऑपेरा-हाउस का बॉक्स-ऑफ़िस, नंबर 50-50' - उनकी नई-नई शादी हुई थी। इतवार की शामों को वे ऑपेरा जाते। उनके जीवन के खूब खुशी के दिन। जब वे शांत चुपचाप बैठते। उनकी आत्मा परी देश के सौंदर्य और लय में परदे के पीछे मिलती।

उसके पश्चात एक आदमी का नाम था, काटा हुआ। वह एक दोस्त हुआ करता था।

उसकी जवानी का। एक आदमी जो सामाजिक तराजू पर बहुत ऊँचा चढ़ा, लेकिन गिरा। सफलता के मद में, सफलता से बिगड़ कर, गहन गर्त में। और फिर उसे देश छोड़ना पड़ा। सौभाग्य इतना अस्थिर था!

अब, पति-पत्नी के जीवन में कुछ नया आया। अगली प्रविष्टि एक स्त्री की लिखावट में थी : नर्स। कौन-सी नर्स? हाँ, वही बड़े लबादे और सहानुभूतिपूर्ण चेहरेवाली। जो कभी ड्राइंग रूम से हो कर नहीं जाती बल्कि दालान से सीधे बेड रूम में जाती।

उसके नीचे लिखा था, डॉ. एल.

और अब, लिस्ट पर पहली बार कोई रिश्तेदार आया : 'ममा'। यह उसकी सास थी। जो उनकी नई-नवेली खुशी को भंग न करने के लिए अब तक जानबूझ कर दूर थी। लेकिन अब उसकी जरूरत थी। वह आ कर खुश थी।

बहुत सारी प्रविष्टियाँ लाल और नीली पेंसिल से थीं: 'नौकर रजिस्ट्री ऑफिस' - नौकरानी छोड़ गई थी और एक नई को लगाना है। 'केमिस्ट' - हा! जीवन में कालिमा आ गई थी। डेयरी मिल्क का ऑर्डर दिया गया - 'स्टेरेलाइज्ड दूध'! 'कस्साई, किराना आदि।' घर के काम टेलीफोन से हो रहे थे; मतलब मालकिन अपनी पोस्ट पर नहीं थी। नहीं, वह नहीं थी। वह लेटी हुई थी।

आगे क्या लिखा था वह पढ़ नहीं पाया। क्योंकि उसकी आँखों के आगे अँधेरा छा गया; वह नमकीन पानी में से देखता हुआ एक डूबता हुआ आदमी था। फिर भी, वहाँ लिखा था, बहुत साफ़ : 'अंडरटेकर - एक बड़ा ताबूत और एक छोटा ताबूत।' और 'धूल' शब्द पद कोष्ठक में जुड़ा हुआ था।

पूरे रेकॉर्ड का यह अंतिम शब्द था 'धूल'। धूल के साथ वह समाप्त हुआ! और ठीक-ठीक यही होता है जिंदगी में। उसने पीला कागज लिया, उसे चूमा। कायदे से तहाया और अपनी पॉकेट में रख लिया।

दो मिनट में वह अपनी जिंदगी के दो वर्ष फिर से जी गया। परंतु जब उसने घर छोड़ा वह हारा हुआ नहीं था। इसके विपरीत, एक प्रसन्न और गर्वित आदमी की तरह वह अपना सिर ऊँचा किए हुए था। क्योंकि वह जानता था कि जीवन की सर्वोत्तम चीजें उसे मिली थीं और उसे उन सब पर दया आई जिन्हें वे नहीं मिली थीं।

कविता

रास्ते

रास्ते हम से राज़ कहने लगे
फिर तो हम रास्तों में रहने लगे

मेरे लफ़्ज़ों को मिल गई आँखें
सारे आँसू लबों से बहने लगे

शहर के लफ़्ज़ कर दिए वापस
अपनी ज़ात अपनी बात कहने लगे

हम अभी ठीक से बने भी न थे
ख़ुद से टकराए और ढहने लगे

उस ने तल्क़ीन-ए-सब्र की थी सो हम
जो न सहना था वो भी सहने लगे

हम ने मिट्टी की बेड़ियाँ काटीं
तोड़ा ज़िंदान-ए-आब बहने लगे

मुज़्दा ऐ सकिनान-ए-शहर-ए-सुख़न
फ़रहत-एहसास' शे'र कहने लगे

- फ़रहत एहसास

नज़्म

वो जो शायर था चुप सा रहता था

वो जो शायर था चुप-सा रहता था
बहकी-बहकी-सी बातें करता था

आँखें कानों पे रख के सुनता था
गूँगी खामोशियों की आवाज़ें!

जमा करता था चाँद के साए
और गीली- सी नूर की बूँदें

रूखे-रूखे- से रात के पत्ते
ओक में भर के खरखराता था

वक़्त के इस घनेरे जंगल में
कच्चे-पक्के से लम्हे चुनता था

हाँ वही, वो अजीब- सा शायर
रात को उठ के कोहनियों के बल

चाँद की ठोड़ी चूमा करता था
चाँद से गिर के मर गया है वो
लोग कहते हैं ख़ुदकुशी की है। - गुलजार

लघुकथा

रघुनंदन त्रिवेदी

अंतिम बातचीत

'ख, मैंने तुम्हारी एक तसवीर बनाई है। इसे देखकर तुम चकित हो जाओगे। इस तसवीर में तुम इतने प्यारे लगते हो कि बस्स! तुम्हारे चेहरे में जो खामियाँ हैं, उन सबको हटा दिया है मैंने इस तसवीर में।'

'क, मैंने भी तुम्हारी एक तसवीर बनाई है और मैं दावे से कहता हूँ, इस तसवीर में तुम जितने खूबसूरत दिखाई देते हो, उतने खूबसूरत, वास्तव में तुम कभी नजर नहीं आए।'

'क्या सचमुच? वाकई तुमने भी मेरी तसवीर बनाई है! लेकिन तुम तो तसवीर बनाना जानते ही नहीं। यह काम तो मेरा है।' - क' ने कहा।

'नहीं, मैंने जो तसवीर बनाई है तुम्हारी, वह कागज पर नहीं, मेरे मन में है।'

'खैर, दिखाओ।'

'नहीं, पहले तुम।'

'ठीक है। यह देखो। लगते हो न हम सबकी तरह।'

'लेकिन मेरी दाढ़ी?'

'दोस्त, यही तो वह चीज है, जिसके कारण तुम अजीब और किसी हद तक क्रूर दिखाई देते हो, इसलिए मैंने इसे हटा दिया।'

'पर मैंने तो तुम्हारे जिस चेहरे की कल्पना की है, उसमें तुम भी दाढ़ी वाले ही हो।' - 'ख' ने खिन्न होकर कहा।

इस बातचीत के बाद 'क' और 'ख' कभी दोस्तों की तरह नहीं मिल सके।

'कुली भैया, पटना एक्सप्रेस किस प्लेटफार्म पर आएगी?' मातादीन से एक महिला ने पूछा।

'दो नम्बर पर।'

'अंकल, यहाँ से लखनऊ के लिए अभी कोई ट्रेन है क्या?' एक युवक ने पूछा।

'हाँ है। एक घंटे बाद।'

'साबरमती एक्सप्रेस कितना लेट चल रही है?' एक बुजुर्ग ने पूछा।

'दो घंटे।'

दोपहर के तीन बज रहे थे। सुबह से अभी तक मातादीन की बोहनी नहीं हुई थी। यात्री ट्रॉली बैग घसीटकर खुद ले जा रहे थे। ऊपर से यात्रियों के बार-बार सवालों के जवाब देते-देते वह तंग आ चुका था, फिर कुछ बड़बड़ाते हुए स्टेशन मास्टर के कार्यालय की ओर चल दिया।

'साहब, मुझे आप पूछताछ कार्यालय में नौकरी लगवा दीजिए।' मातादीन ने स्टेशन मास्टर के पास पहुँचकर कहा।

'क्या बात है मातादीन भाई, आज तुम ऐसा क्यों बोल रहे हो?' स्टेशन मास्टर ने मुस्कुराते हुए पूछा।

'साहब, आप तो जानते ही हैं, जब से रेलवे स्टेशन पर लिफ़्ट, एस्केलेटर की सुविधा शुरू हुई है और पहिये वाले सूटकेस आए हैं, तब से हम कुलियों की कमाई बहुत कम हो गई है। भूखे मरने की नौबत आ गई है।'

'वह तो मैं भी जानता हूँ। अभी तो तुम सिर्फ यह बताओ कि नौकरी की बात क्यों कर रहे हो?' स्टेशन मास्टर ने बीच में बात काटते हुए पूछा।

'साहब, वही बता रहा हूँ। अब हम कुली चलते- फिरते पूछताछ कार्यालय भर बनकर रह गए हैं। यात्री हम से सामान नहीं उठवाते हैं, बस पूछताछ करते रहते हैं।' इतना कहते-कहते मातादीन की आँखें भर आईं और फिर वह आँसू पोंछता हुआ कार्यालय से बाहर निकल गया।

- राममूरत 'राही'

चलते-फिरते कार्यालय

प्रियंका जैन

राशिफल

मेष — नए मित्र बनेंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर अवसर बढ़ेंगे। समस्याएं कम होंगी। मान-सम्मान मिलेगा। मित्र व रिश्तेदारों से संबंध सुधरेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। व्यापार-व्यवसाय व नौकरी से अनुकूलता बनी रहेगी।

वृष — जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। नए मित्र बनेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा।

मिथुन — वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। अकारण क्रोध व उत्तेजना रह सकते हैं। बेवजह किसी से विवाद हो सकता है। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। मन में संवेदनशीलता अधिक रहेगी।

कर्क — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कामों की रुकावट दूर होगी। स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में लाभ वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। निवेश में लाभ होगा।

सिंह — मेहनत का पूरा-पूरा फल मिलेगा। काम में उत्साह व प्रसन्नता से ध्यान दे पाएंगे। वाद-विवाद से अपना पक्ष मजबूत कर पाएंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कन्या — नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। सुख के साधनों की प्राप्ति की कोशिशें कामयाब रहेंगी। नए काम हाथ में आएंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला — चोट व दुर्घटना से हानि की आशंका बनती है। आशंका-कुशंका के चलते कार्य प्रभावित होंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। झंझटों से दूर रहें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक परेशानी आ सकती है।

वृश्चिक — भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

धनु — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यापार-व्यापार अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

मकर — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार से लाभ होगा। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। घर के सभी सदस्य प्रसन्न व संतुष्ट रहेंगे।

कुंभ — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। नौकरी में अमन-चैन रहेगा। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर-मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा।

मीन — फालतू खर्च होगा। लाभ के अवसर टलेंगे। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। चोट व रोग से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ में विवाद हो सकता है।

कुंडली में शनि के स्थान का प्रभाव

कुंडली में शनि सातवें घर में होने से देता है वैराग्य। अगर शनि की राशि मकर और कुंभ भी हो तो ऐसा जातक गृहस्थ जीवन होकर भी एक साधु वाला जीवन जीना पसंद करता है।

एक वैराग्य का भाव जातक के अंदर आना शुरू हो जाता है।

आपके पास बहुत पैसा है और अच्छा व्यापार है, बहुत मान सम्मान है अच्छी जिंदगी है, लेकिन पति-पत्नी के बीच में हरदम क्लेश हो, तो पूरा जीवन बर्बाद हो जाता है। आज हम बात करते हैं, कुंडली के सप्तम भाव की जो कि हर जातक के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। स्त्री हो या पुरुष, सप्तम भाव हमारे जीवन में पति-पत्नी का घर होता है। अगर सातवां घर शुभ है या शुभ ग्रह बैठा है तो जीवन बहुत सुख से बीतता है। सप्तम भाव लग्न कुडंली में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, लग्न से सातवां भाव ही दाम्पत्य व विवाह के लिए कारक माना है। इस भाव एवं इस भाव के स्वामी के साथ ग्रहों की स्थिति व दृष्टि संबंध के अनुसार उस जातक पर शुभ-अशुभ प्रभाव पड़ता है।

सप्तम भाव विवाह एवं जीवनसाथी का घर माना जाता है। इस भाव में शनि का होना विवाह और वैवाहिक जीवन के लिए शुभ संकेत नहीं माना जाता है।

इस भाव में शनि की स्थिति होने पर व्यक्ति की शादी सामान्य आयु से देरी से होती है। सप्तम भाव में शनि अगर नीच राशि में हो तो तब यह संभावना रहती है कि व्यक्ति काम पीड़ित होकर किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता है जो उम्र में उससे अधिक बड़ा हो।

शनि सप्तम भाव में हो तो विवाह देर से होता है अगर जल्दी से हो गया तो कलह से घर अशांत रहता है। चन्द्रमा के साथ शनि की युति होने पर व्यक्ति अपने जीवनसाथी के प्रति प्रेम नहीं रखता एवं किसी अन्य के प्रेम में गृह कलह को जन्म देता है।

सप्तम शनि एवं उससे युति बनाने वाले ग्रह विवाह एवं गृहस्थी के लिए सुखकारक नहीं होते हैं।

नवमांश कुडंली या जन्म कुडंली में जब शनि हो तो शादी 30 वर्ष की आयु के बाद ही करनी चाहिए क्योंकि इससे पहले शादी की संभावना नहीं बनती है।

जिनकी कुडंली शनि लग्न में उनके साथ भी यही स्थिति होती है एवं इनकी शादी असफल होने की भी संभावना प्रबल रहती है।

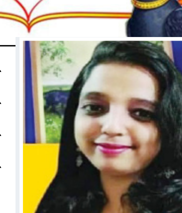

प्रियंका जैन
9769994439

कुडंली में लग्न स्थान से शनि द्वादश होता है और सूर्य द्वितीयेश होता है एवं लग्न कमजोर हो तो उनकी शादी बहुत विलंब से होती है अथवा ऐसी स्थिति बनती है कि ऐसे व्यक्ति शादी नहीं करते।

शनि जिस वधु की कुडंली में सूर्य या चन्द्रमा से युत या दृष्ठ होकर लग्न या सप्तम में होते हैं उनकी शादी में भी बाधा रहती है।

जिन जातकों की लग्न कुंडली में शनि सातवें घर में हो या नवमांश कुंडली में भी सातवें भाव में हो तो ऐसे जातक को शनि के उपाय जरूर करें

सातवें घर का शनी जातक को वैराग्य दे देता है गृहस्थी जीवन से मन उठने लग जाता है।

शादी तो हो जाती है लेकिन पति पत्नी के रिश्ते से मन दूर होने लगता है।

अगर किसी भी स्त्री पुरुष को इस तरह की बाधाये जीवन में आ रही हैं तो आप शनि के उपचार करें और एक अच्छा जीवन आप शुरू कर सकते हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है
इंडिया&वर्ल्ड

इसरो ने श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया प्रोबा-3 मिशन

सूर्य स्टडी होगी, मिलेगी अंतरिक्ष मौसम की जानकारी

एजेंसी | नई दिल्ली

इसरो ने आखिरकार इतिहास रच दिया है। यूरोपियन स्पेस एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग हो गई है। इसके पहले बुधवार को कुछ तकनीकी खामी के कारण भारतीय स्पेस एजेंसी ने लॉन्चिंग को टाल दिया था। लॉन्चिग के लिए इसरो ने PSLV-C59 रॉकेट का इस्तेमाल किया गया। आपको बता दें कि प्रोबा-3 दुनिया का पहला प्रेसिशन फॉर्मेशन फ्लाइंट सैटेलाइट है। प्रोबा-3 मिशन के तहत कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर सैटेलाइट को स्पेस में भेजा गया है। ये सैटेलाइट सूर्य के बाहरी वातावरण का अध्ययन करेंगे।

कोरोना पर करेंगे स्टडी

कोरोनाग्राफ का वजन 310 किलो और ऑकुल्टर का वजह 240 किलो है। दोनों सैटेलाइट एक-दूसरे से 150 मीटर की दूरी पर रहकरे पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाएंगे और सूर्य के बाहरी वातावरण कोरोना पर स्टडी करेंगे। यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने कहा, 'कोरोना सूर्य के मुकाबले ज्यादा गर्म है और यहीं से स्पेस के वातावरण की शुरुआत होती है। यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषय है।'

इसरो के लिए महत्वपूर्ण पल

आदित्य एल-1 के बाद प्रोबा-3 की लॉन्चिंग भी इसरो के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसरो के भरोसेमंद लॉन्चर पीएसएलवी का लोहा अब दुनिया भी मानती है। यह मिशन इसरो को सूर्य से जुड़े वैज्ञानिक प्रयोगों में मदद करेगा। दोनों सैटेलाइट पर लगे उपकरण सूर्य के बाहरी वातावरण का गहनता से विश्लेषण करेंगे और सैटेलाइट पृथ्वी का एक चक्कर 19 घंटे में पूरा करेगा। प्रोबा दरअसल एस लैटिन शब्द है, जिसका मतलब होता है- चलो कोशिश करते हैं। ऑकुल्टर सैटेलाइट में एक उपकरण लगा है, जो सूर्य की चमकदार डिस्क को ब्लॉक कर देगा। यह प्रक्रिया सैटेलाइट के लिए किसी सूर्यग्रहण की तरह होगी। इसके बाद कोरोनाग्राफ में लगे टेलीस्कोप से कोरोना का विश्लेषण किया जा सकेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी की 'इंडिया-फर्स्ट' पॉलिसी को सराहा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15वें वीटीबी रूस कॉलिंग इन्वेस्टमेंट फोरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'इंडिया फर्स्ट' नीति और 'मेक इन इंडिया' पहल की प्रशंसा की। राष्ट्रपति पुतिन ने विकास के लिए स्थिर माहौल को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इन नीतियों ने भारत के विकास में किस तरह योगदान दिया है।

कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने ED को 'गुलाम निदेशालय' बताया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को ED को 'गुलाम निदेशालय' बताया। प्रियांक ने सोशल मीडिया X पर लिखा, 'प्रवर्तन निदेशालय (ED) एक गुलाम निदेशालय बन गया है। वे भाजपा सरकार की असहाय और लाचार कठपुतलियों के अलावा कुछ नहीं हैं। मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MUDA) मामले में CM सिद्धारमैया के खिलाफ ED की जो रिपोर्ट लीक की गई है, वह पूरी तरह से मनगढ़ंत है।'

सुप्रीम कोर्ट के जज बने जस्टिस मनमोहन

नई दिल्ली। CJI संजीव खन्ना ने गुरुवार को जस्टिस मनमोहन को सुप्रीम कोर्ट के जज की शपथ दिलाई। वे इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस थे। उन्हें सुप्रीम कोर्ट जस्टिस बनाने का निर्णय 28 नवंबर को लिया गया था। जस्टिस मनमोहन के शपथ ग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 हो गई। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधिशों की कुल संख्या 34 तक हो सकती है।

'लोगों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर'

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों पर लोकसभा में भड़के नितिन गडकरी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बावजूद, हताहतों की संख्या में वृद्धि हो रही है, क्योंकि लोगों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि वह खुद सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं और इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील हैं। मंत्री ने कहा कि चार कारक हैं जो सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं - सड़क इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, कानून का प्रवर्तन और लोगों की शिक्षा।

'30,000 लोग सिर्फ इसलिए मर जाते हैं, क्योंकि वे हेलमेट नहीं पहनते'

गडकरी ने कहा, समाज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि न तो उनमें कानून के प्रति सम्मान है, न ही कानून का डर है। रेड सिग्नल पर लोग गाड़ी नहीं रोकते, हेलमेट नहीं पहनते, ऐसी कई समस्याएं हैं। 30,000 लोग सिर्फ इसलिए मर जाते हैं क्योंकि वे हेलमेट नहीं पहनते हैं। मैं खुद इसका शिकार रहा हूं, महाराष्ट्र में विपक्ष का नेता रहते हुए एक दुर्घटना में मेरा पैर चार जगह से टूट गया था और मैं इस मामले में लगातार संवेदनशील हूं। उन्होंने कहा, मुझे यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि कड़ी मेहनत के बावजूद इस साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.68 लाख मौतें हुई हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मौतें इसलिए हुई हैं क्योंकि सड़कों पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया गया है...जन प्रतिनिधियों, मीडिया या समाज के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। हमने जुर्माने भी बढ़ाए हैं, लेकिन लोग नियमों का पालन नहीं करते हैं।

नरेश बालियान को एक दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को उत्तम नगर क्षेत्र से आप विधायक नरेश बालियान को मकोका से जुड़े एक मामले में एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशेष अदालत ने कहा कि मकोका के तहत दर्ज मामले में पूछताछ के लिए पुलिस ने बालियान की 10 दिन की हिरासत मांगी है, लेकिन दिल्ली पुलिस की अर्जी पर दलीलों के लिए अधिक समय की जरूरत होगी। इसके बाद अदालत ने बालियान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल इस मामले में पुलिस की अर्जी पर सुनवाई अधूरी रही और अब कल यानी शुक्रवार छह दिसंबर को फिर से सुनवाई होगी। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने संगठित अपराध के एक मामले में बालियान को सत्र न्यायालय में पेश किया था और मामले को सांसद एवं विधायक अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, जिसे न्यायाधीश ने अस्वीकार कर दिया।

महाराष्ट्र के 3 जिलों जालना, परभणी, हिंगोली के बीजेपी के प्रवासी चुनाव प्रभारी व इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा और इंदौर भाजपा के उपाध्यक्ष व जालना व बदनापुर के प्रभारी नारायण पटेल DBD (दो बजे दोपहर) के दफ्तर में पधारे। उन्होंने संपादक अरुण लाल से देश, राजनीति व समाज पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज दोपहर बेहतरीन पत्रकारिता कर रहा है। देश को इस तरह की पत्रकारिता की जरूरत है।

हैदराबाद में ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे ट्रांसजेंडर

हैदराबाद। हैदराबाद की सड़कों पर अब आपको ट्रैफिक व्यवस्था संभालते ट्रांसजेंडर नजर आएगा। हैदराबाद पुलिस ने 44 ट्रांसजेंडरों को ट्रैफिक असिस्टेंट के तौर पर भर्ती किया है। गोशामहल पुलिस ग्राउंड पर फिजिकल टेस्ट के लिए 58 ट्रांसजेंडर पहुंचे थे। इन्हें दौड़, लंबी कूद और शॉट पुट के आधार पर परखा गया। इसके बाद 44 ट्रांसजेंडरों का चयन किया गया। इसमें से 29 महिला ट्रांसजेंडर और 15 पुरुष ट्रांसजेंडर हैं। भर्ती प्रक्रिया के दौरान हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद भी मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा स्पीकर राम निवास गोयल ने राजनीति से संन्यास का किया ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के स्पीकर राम निवास गोयल ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। गोयल ने गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेटर लिखकर कहा कि बढ़ती उम्र के कारण खुद को चुनावी राजनीति से अलग रखना चाहता हूं। पार्टी में रहकर सेवा करता रहूंगा। गोयल पिछले 10 सालों से दिल्ली की शहादरा विधानसभा से विधायक हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने संन्यास का ऐलान किया है। अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। उससे पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव होंगे।

पांच वर्षों में पश्चिमी बंगाल से 2227 ने स्थानांतरित किया पंजीकरण कार्यालय

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में कंपनियां पश्चिम बंगाल से अपना कार्यालय स्थानांतरित कर रही हैं। पांच वर्षों के दौरान (2019-2024 तक) 2227 कंपनियों ने अपना पंजीकरण कार्यालय पश्चिमी बंगाल से अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर लिया है। राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य द्वारा राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कारपोरेट मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिए जवाब में यह जानकारी दी।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने दायर की है याचिका

एजेंसी | नई दिल्ली

जमीयत उलमा-ए-हिंद की याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। यह याचिका मुस्लिम संगठन ने प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट एक्ट यानि उपासना स्थल अधिनियम 1991 को लेकर दायर की है। हालांकि समय की कमी के चलते सुप्रीम कोर्ट में इस पर सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई करने का आदेश दिया है। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने संभल हिंसा और अजमेर दरगाह पर हिंदुओं के दावे को लेकर यह याचिका दायर की है। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट से जुड़ी यह याचिका हिंदू दावे को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के निर्देश पर दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने पहले इस अहम मामले की सुनवाई के लिए हामी भरी थी।

3 जजों की बेंच करेगी याचिका पर सुनवाई

जमीयत उलमा-ए-हिंद के अनुरोध पर भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के लिए सहमति दे दी थी। उन्होंने मामले की सुनवाई तीन जजों की पीठ के समक्ष सुनावई करने का आदेश जारी किया था। वहीं, याचिका पर सुनवाई आज होनी थी। लेकिन समय की कमी के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। वहीं, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह करने का आदेश दिया। आज जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से वरिष्ठ एडवोकेट राजू रामचंद्रन, एडवोकेट वृंदा ग्रोवर, एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड इजाज मकबूल, एडवोकेट शाहिद नदीम, एडवोकेट सैफ जिया, एडवोकेट मुजाहिद अहमद और अन्य लोग अदालत में उपस्थित थे।

SC के रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर की थी सुनवाई की मांग

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने संभल मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में यह अर्जी दाखिल की है। जमीयत का कहना है कि धार्मिक स्थलों के 1947 के स्वरूप को बनाए रखने की बात करने वाले प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट को पूरी तरह लागू किया जाना चाहिए। इससे पहले जमीयत के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर जल्द सुनवाई की मांग की थी।

शीतकालीन सत्र | लोकसभा में संचार राज्य मंत्री ने दिया जवाब

देश में अब भी चालू हैं 17 हजार टेलीफोन बूथ

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में बुधवार को सरकार ने सार्वजनिक टेलीफोन बूथ (पीसीओ) को लेकर जानकारी साझा की है। सरकार ने संसद में कहा कि पिछले 3 साल में देश भर में 44,922 सार्वजनिक टेलीफोन बूथ (पीसीओ) बंद हो गए। वहीं, देशभर में मौजूदा समय में करीब 17 हजार ऐसी सुविधाएं अभी चालू हैं। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री पी चंद्रशेखर ने एक सवाल के लिखित जवाब में लोकसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीसीओ की संख्या में कमी का कारण मोबाइल फोन प्रौद्योगिकी का व्यापक रूप से अपनाया जाना है। यह टेली घनत्व में वृद्धि और किफायती मोबाइल सेवाओं की उपलब्धता है।

देशभर में कुल 16,958 PCO अभी चालू हैं

संचार राज्य मंत्री पी चंद्रशेखर ने कहा, 'पीसीओ पिछले कुछ समय से बंद हो रहे हैं। अनुमान है कि पिछले तीन साल में करीब 44,922 पीसीओ बंद हो गए हैं।' संचार राज्य मंत्री की ओर से पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल 16,958 पीसीओ अब भी चालू हैं। वहीं, 30 जून 2024 तक ग्रामीण क्षेत्रों में 1,519 और शहरी क्षेत्रों में 15,439 पीसीओ हैं।